AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

TOP SELLING TGT PRACTICE SETS

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा
चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

TGT

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा – 2022

Most Updated Book!
UP TGT के सभी नवीनतम पेपर्स इस पुस्तक में शामिल हैं।

हिन्दी

15 सॉल्व्ड प्रैक्टिस सेट्स एवं 05 सॉल्व्ड पेपर्स

(2021, 2018, 2016, 2013, 2011)
LT.Grade

Code	Price	Pages
CB980	₹ 139	162

विषय-सूची

Student's Corner

पृष्ठ संख्या

- ⊙ Agrawal Examcart Help Centre — iv
- ⊙ Best Strategy परीक्षा की तैयारी करने का सही तरीका! — v
- ⊙ Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ? — vi
- ⊙ Student's Corner — vii
- ⊙ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा पाठ्यक्रम — viii

सॉल्व्ड पेपर्स

- ➢ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2021 हिन्दी हल प्रश्न-पत्र — 1-9
- ➢ उ. प्र. लोक सेवा आयोग, एल.टी. ग्रेड, 2018 हिन्दी हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 29-07-2018) — 10-18
- ➢ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2016 हिन्दी हल प्रश्न-पत्र — 1-10
- ➢ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2013 हिन्दी हल प्रश्न-पत्र — 11-19
- ➢ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2011 हिन्दी हल प्रश्न-पत्र — 20-29

प्रैक्टिस सेट्स

- ➢ प्रैक्टिस सेट–1 — 30-37
- ➢ प्रैक्टिस सेट–2 — 38-45
- ➢ प्रैक्टिस सेट–3 — 46-53
- ➢ प्रैक्टिस सेट–4 — 54-60
- ➢ प्रैक्टिस सेट–5 — 61-68
- ➢ प्रैक्टिस सेट–6 — 69-76
- ➢ प्रैक्टिस सेट–7 — 77-84
- ➢ प्रैक्टिस सेट–8 — 85-92
- ➢ प्रैक्टिस सेट–9 — 93-101
- ➢ प्रैक्टिस सेट–10 — 102-111
- ➢ प्रैक्टिस सेट–11 — 112-119
- ➢ प्रैक्टिस सेट–12 — 120-128
- ➢ प्रैक्टिस सेट–13 — 129-136
- ➢ प्रैक्टिस सेट–14 — 137-144
- ➢ प्रैक्टिस सेट–15 — 145-152

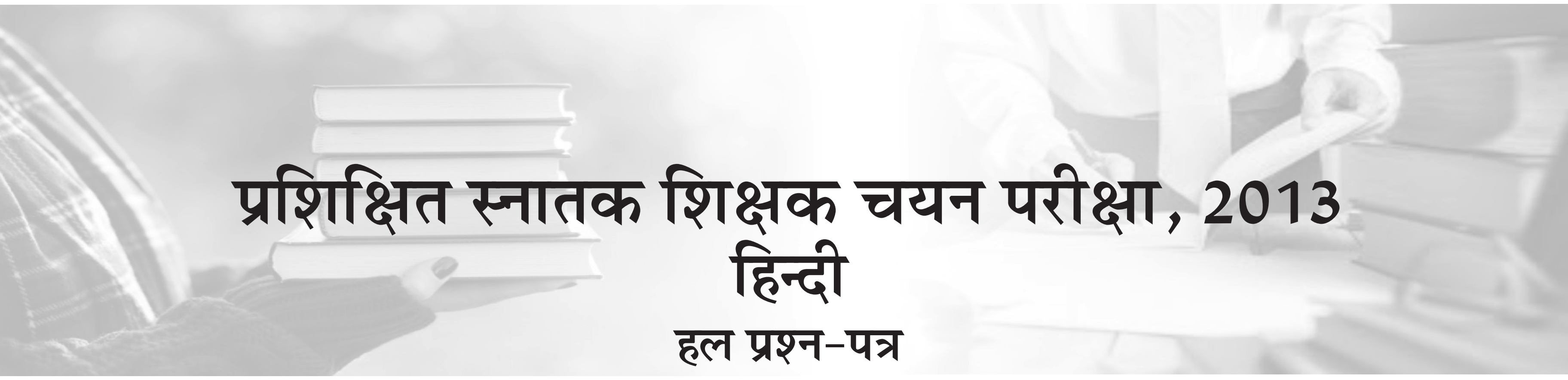

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक चयन परीक्षा, 2013
हिन्दी
हल प्रश्न-पत्र

1. रामानुजाचार्य ने किस दर्शन का प्रतिपादन किया?
(A) अद्वैतवाद (B) शुद्धाद्वैतवाद
(C) विशिष्टाद्वैतवाद (D) द्वैतवाद

1. (C) रामानुजाचार्य ने विशिष्टाद्वैतवाद दर्शन का प्रतिपादन किया। ये राम को विष्णु का अवतार मानते थे। अद्वैतवाद के प्रवर्तक आचार्य शंकराचार्य हैं। शुद्धाद्वैतवाद के विष्णु स्वामी तथा द्वैतवाद के प्रवर्तक माध्वाचार्य हैं।

2. निम्न में से कौन-सी रचना व्याकरण ग्रंथ है?
(A) कीर्तिपताका
(B) चर्यापद
(C) उक्ति व्यक्त प्रकरण
(D) वर्णरत्नाकर

2. (C) महाराज गोविन्दचन्द्र के सभा-पण्डित दामोदर शर्मा ने बारहवीं शताब्दी में **उक्ति-व्यक्त प्रकरण** की रचना की। इस ग्रंथ से गद्य और पद्य दोनों शैलियों की हिन्दी भाषा में तत्सम शब्दावली के प्रयोग की बढ़ती हुई प्रवृत्ति का पता चलता है। यह रचना व्याकरण ग्रंथ है।
कीर्ति पताका विद्यापति की रचना है। चर्यापद शबरपा की प्रसिद्ध पुस्तक तथा वर्णरत्नाकर के लेखक ज्योतिरीश्वर ठाकुर हैं।

3. 'आसक्त' का विलोम है—
(A) विरक्त (B) अनुरक्त
(C) संसक्ति (D) विभक्त

3. (A) 'आसक्त' का विलोम शब्द 'विरक्त' होगा।

4. ब्रजभाषा का क्षेत्र कौन नहीं है?
(A) धौलपुर (B) सरगुजा
(C) मथुरा (D) आगरा

4. (B) शौरसेनी प्राकृत से उत्पन्न सभी बोलियों में ब्रजभाषा उसकी मुख्य उत्तराधिकारिणी है। शूरसेन का ही दूसरा नाम ब्रजमण्डल है। ब्रजभाषा की अनेक बोलियाँ हैं; जैसे— नैनीताल की मुक्सा, एटा, मैनपुरी बदायूँ और बरेली की अन्तर्वेदी, ग्वालियारी, धौलपुर और पूर्वी जयपुर की डांगी, गुड़गाँव और भरतपुर की मिश्रित बोली एवं करौली की जाटोवादी है, किन्तु विशुद्ध ब्रजभाषा मथुरा, अलीगढ़ और आगरा जिलों में बोली जाती है।

5. 'प्रत्यय' रहित शब्द बताइए—
(A) मर्मज्ञ (B) वैज्ञानिक
(C) कृपालु (D) अनुवाद

5. (A) **'प्रतीयते विधीयते अनेन इति प्रत्ययः'** अर्थात् जो शब्दांश किसी शब्द अथवा क्रिया (धातु) के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं। उपर्युक्त शब्दों में 'मर्मज्ञ' प्रत्यय रहित शब्द है।

6. 'आर्द्र' का विलोम शब्द है—
(A) नम (B) शुष्क
(C) गीला (D) लचीला

6. (B) 'आर्द्र' का विलोम 'शुष्क' होगा।

7. 'प्रबन्ध चिंतामणि' के रचयिता का नाम है—
(A) दामोदर पंडित (B) कवि आसुग
(C) रोडा कवि (D) मेरुतुंग

7. (D) मालवा नरेश भोज के चाचा 'मुंज' के कुछ दोहे मेरुतुंग द्वारा लिखित प्रबन्ध, चिंतामणि ग्रन्थ में संगृहीत हैं।

8. 'जिसने मृत्यु को जीत लिया है' कहलाता है—
(A) अमरत्व (B) मृत्युञ्जय
(C) अभयदान (D) अभयमुद्रा

8. (B) जिसने मृत्यु को जीत लिया है वह 'मृत्युञ्जय' कहलाता है।

9. संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत हिन्दी को संघ की राजभाषा का दर्जा मिला?
(A) अनुच्छेद 343 (B) अनुच्छेद 344
(C) अनुच्छेद 345 (D) अनुच्छेद 346

9. (A) संविधान के अनुच्छेद 343 के अन्तर्गत हिन्दी को संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी घोषित किया गया। अंकों का प्रयोग वही रहेगा जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चलित है। अनुच्छेद 344 राष्ट्रपति द्वारा राजभाषा आयोग एवं समिति के गठन से सम्बन्धित है। अनुच्छेद 345, 346 में प्रादेशिक भाषाओं सम्बन्धी प्रावधान है।

10. समस्त पृथ्वी से सम्बन्ध रखने वाला कहलाता है—
(A) सार्वभौमिक (B) सार्वकालिक
(C) सार्वदेशिक (D) सर्वज्ञ

10. (A) 'समस्त पृथ्वी से सम्बन्ध रखने वाले को 'सार्वभौमिक' कहते हैं।

11. 'जो मापा न जा सके' इसका सही अर्थ है—
(A) अमानक (B) अपरिग्रह
(C) अपरिमेय (D) अतुल्य

11. (C) 'जो मापा न जा सके के लिए एक शब्द'—'अपरिमेय' होगा।

12. 'तदीय समाज' से किसका सम्बन्ध था?
(A) केशवचन्द्र सेन
(B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(C) राजाराममोहन राय
(D) ईश्वरचंद्र विद्यासागर

12. (B) 'तदीय समाज' से भारतेन्दु हरिश्चंद्र का सम्बन्ध था। भारतेन्दु युगीन कवियों ने सामाजिक जीवन का यथातथ्य निरूपण करने में रुचि दिखाई है। आर्य समाज एवं ब्रह्म समाज जैसे सामाजिक आन्दोलनों के प्रभाव से इस काल में नवीन सामाजिक चेतना का उदय हुआ। इस युग के कवियों ने सामाजिक कुरीतियों, छल-कपट एवं पाखण्ड का खण्डन करने में योगदान दिया।

13. 'भक्ति आंदोलन भारतीय चिंताधारा का स्वाभाविक विकास है।' यह कथन किसका है?
(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(B) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
(D) डॉ. भगीरथ मिश्र

13. (B) भक्ति आन्दोलन भारतीय चिंताधारा का स्वाभाविक विकास है। यह कथन आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का है।

14. 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' किसकी नाट्य कृति है?
(A) सुरेन्द्र वर्मा
(B) रामकुमार वर्मा
(C) महादेवी वर्मा
(D) भगवती चरण वर्मा

14. (A) सुरेन्द्र वर्मा ने द्रौपदी, सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक और आठवाँ सर्ग की रचना की है। इनके नाटकों का विषय सामाजिक, पारिवारिक और ऐतिहासिक रहा है।

15. 'केशव कहि न जाइ का कहिए' यह पंक्ति किस कवि की है?

(A) केशवदास (B) कबीरदास
(C) तुलसीदास (D) नरहरिदास

15. (C) 'केशव कहि न जाइ का कहिए' यह पंक्ति भक्तिकाल के रामाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित है।

16. 'परुष' शब्द का विलोम है—

(A) अपौरुष (B) सरल
(C) कठोर (D) कोमल

16. (D) दिए गए शब्दों में 'परुष' का विलोम 'कोमल' होगा।

17. निम्न में से प्रत्यय रहित शब्द है—

(A) दर्शनीय (B) दुर्गुण
(C) भिक्षुक (D) कर्त्तव्य

17. (B) दिए गए शब्दों में 'दुर्गुण' प्रत्यय रहित शब्द है।

18. पश्चिमी हिन्दी में कौन-सी बोली है?

(A) मगही (B) कन्नौजी
(C) मैथिली (D) अवधी

18. (B) खड़ी बोली या कौरवी, ब्रजभाषा, हरियाणवी, बुन्देली और कन्नौजी पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ हैं। मगही और मैथिली बिहारी हिन्दी की तथा अवधी पूर्वी हिन्दी की बोली है।

19. 'बिनु पग चलै सुनै बिनु काना' इसमें कौन-सा अलंकार है?

(A) विभावना (B) श्लेष
(C) रूपक (D) वक्रोक्ति

19. (A) जहाँ कारण के न होते हुए भी कार्य का होना पाया जाए, वहाँ विभावना अलंकार होता है।

20. हिन्दी में स्वच्छंदतावाद का कवि कौन कहा जाता है?

(A) हरिऔध (B) रामनरेश त्रिपाठी
(C) श्रीधर पाठक (D) राधाकृष्ण दास

20. (C) रोमानी भाव को काव्य में अभिव्यक्ति देने वाला कवियों को स्वच्छन्दतावादी कवि कहा जाता है। इन कवियों का विषय एवं शिल्प नवीन है तथा युगीन चेतना से अलग हटकर है। प्रकृति, प्रेम, स्वछन्द प्रेम एवं वैयक्तिक स्वातंत्र्य की चेतना को लेकर लिखी गयी कविताएँ स्वछन्दतावादी वर्ग में आती हैं। द्विवेदी युग में इस प्रकार के प्रमुख कवि थे—श्रीधर पाठक, राम नरेश त्रिपाठी, मुकुटधर पाण्डेय और जगन्नाथदास रत्नाकर। हिन्दी से स्वछंदतावाद का प्रमुख कवि श्रीधर पाठक को कहा जाता है।

21. रामवृक्ष बेनीपुरी की कौन-सी कृति यात्रावृत्त की है?

(A) सागर की लहरों पर
(B) अप्रवासी की यात्राएँ
(C) पैरों में पंख बाँधकर
(D) मेरी यूरोप यात्रा

21. (C) रामवृक्ष बेनीपुरी की यात्रावृत्त कृति '**पैरों में पंख बाँधकर**, उड़ते चलो उड़ते चलो' है। '**सागर की लहरों पर**' भगवतचरण उपाध्याय कृत यात्रावृत्त है। '**मेरी यूरोप यात्रा**' गणेश नारायण सोमानी का यात्रावृत्त है। अप्रवासी की यात्राएँ डॉ. नगेन्द्र का यात्रावृत्त है।

22. 'रुद्र संप्रदाय' की स्थापना किसने की?

(A) रुद्र स्वामी (B) श्रीस्वामी
(C) विष्णुस्वामी (D) निम्बार्काचारी

22. (C) रुद्र सम्प्रदाय की स्थापना विष्णुस्वामी ने की थी। विष्णु स्वामी के नाम से तीन आचार्यों का इतिहास ग्रंथों में उल्लेख मिलता है।

23. आदिकाल को 'बीजवपन काल' नाम किसने दिया?

(A) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(C) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
(D) आचार्य भगीरथ मिश्र

23. (C) आदिकाल को विभिन्न नामों से जाना जाता है। ये नाम हैं—वीरगाथाकाल (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), आदिकाल (हजारी प्रसाद द्विवेदी), चारणकाल (डॉ. राम कुमार वर्मा), बीजवपनकाल (महावीर प्रसाद द्विवेदी), सिद्ध सामन्त युग (राहुल सांकृत्यायन), आरम्भिक काल (मिश्र बन्धु)।

24. निराला किस पत्रिका से सम्बन्धित नहीं थे?

(A) सुधा (B) इंदु
(C) समन्वय (D) मतवाला

24. (B) सुधा, समन्वय एवं मतवाला पत्र के सम्पादक सूर्यकांत त्रिपाठी थे। इन्दु पत्रिका के सम्पादक अम्बिका प्रसाद गुप्त एवं जयशंकर प्रसाद थे।

25. 'आवाहन' का विलोम है—

(A) अवगाहन (B) तिरोभाव
(C) विसर्जन (D) धन्यवाद

25. (C) 'आवाहन' का विलोम 'विसर्जन' है।

26. निम्न में से 'हिन्दी साहित्य का अतीत' किसने लिखा?

(A) डॉ. विश्वनाथ तिवारी
(B) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(C) डॉ. रामकुमार वर्मा
(D) राहुल सांकृत्यायन

26. (B) 'हिन्दी साहित्य का अतीत' विश्वनाथ प्रसाद मिश्र द्वारा लिखा गया ग्रंथ है।

27. निम्न में से 'मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार' किसे कहा जा सकता है?

(A) इलाचन्द्र जोशी (B) जैनेन्द्र
(C) अज्ञेय (D) मनोहरश्याम जोशी

27. (B) जैनेन्द्र कुमार एक मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार हैं। 'त्यागपत्र' इनका प्रमुख मनोवैज्ञानिक उपन्यास है।

28. 'उपदेश रसायन' के रचयिता कौन हैं?

(A) जिनदत्त सूरि (B) जिनधर्म सूरि
(C) शालिभद्र सूरि (D) धनपाल

28. (A) बारहवीं शताब्दी के जिनदत्तसूरि उपदेश रसायन के रचयिता हैं। 80 पद्यों का यह नृत्य गीत काव्य रास लीला के उस मूल रूप की ओर ले जाता है, जिसमें हिन्दी के आदिकालीन रासो काव्य लिए गये हैं। भरतेश्वर-बाहुबलीरास के रचयिता शालिभद्र सूरि को हिन्दी का प्रथम कवि डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त ने माना है।

29. कौन देशज प्रत्यय का उदाहरण नहीं है?

(A) फर्राटा (B) अड़ियल
(C) उच्चतर (D) घुमक्कड़

29. (C) संस्कृत में कृत (क्रिया में लगने वाले) और तद्धित (क्रिया से भिन्न शब्दों में लगने वाले) प्रत्ययों की सहायता से शब्द निर्माण करने की अद्भुत शक्ति को प्रत्यय कहा जाता है। देशी शब्दों से बना प्रत्यय देशज प्रत्यय कहलाता है। फर्राटा, अड़ियल एवं घुमक्कड़ देशज प्रत्यय हैं। प्रश्नानुसार उच्चतर में उच्च शब्द में तर प्रत्यय लगा है जो कि देशज प्रत्यय का उदाहरण नहीं है।

30. निम्न में से कौन अर्थालंकार है?

(A) श्लेष (B) यमक
(C) वक्रोक्ति (D) रूपक

30. (D) अर्थ के सौन्दर्य का उत्कर्ष करने वाले तथा अर्थ को परिपूर्णता देने वाले तत्व अर्थालंकार हैं। रूपक अर्थालंकार का

एक भेद है। श्लेष, यमक एवं वक्रोक्ति शब्दालंकार के भेद हैं। शब्द के सौन्दर्य की वृद्धि करने वाले और उसे संपूर्ण बनाने वाले तत्व शब्दालंकार हैं।

31. 'लक्ष्मीपुरा' किस विधा की रचना है?

(A) यात्रावृत्त (B) निबन्ध
(C) रिपोर्ताज (D) डायरी

31. (C) 'रिपोर्ताज' फ्रांसीसी भाषा का शब्द है। उस गद्य रचना को रिपोर्ताज कहते हैं जिसमें किसी आँखों देखी घटना का साहित्यिक शैली में कलात्मकता के साथ प्रभावशाली वर्णन किया जाता है। 'लक्ष्मीपुरा' रिपोर्ताज विधा की रचना है, यह विधा शिवदान सिंह चौहान द्वारा लिखी गयी है।

32. शालिभद्र सूरि की रचना का नाम है–

(A) नेमिनाथ रास
(B) भरतेश्वर बाहुबली रास
(C) सुमितिगण रास
(D) जयमयंक जसचंद्रिका

32. (B) शालिभद्र सूरि की रचना का नाम भरतेश्वर बाहुबली रास है। शालिभद्र सूरि अपने समय के प्रसिद्ध जैन आचार्य तथा अच्छे कवि थे। इस ग्रंथ में भरतेश्वर तथा बाहुबली के चरित्र का वर्णन है। नेमिनाथ राम सुमति गुणी की तथा जयमयंक जस चंद्रिका मधुकर कवि की रचना है।

33. निम्न में से कौन-सी रचना एवं उसके रचनाकार का युग्म सही नहीं है?

(A) कविता–कौमुदी–रामनरेश त्रिपाठी
(B) हिमकिरीटिनी–माखनलाल चतुर्वेदी
(C) हल्दीघाटी–श्यामनारायण पांडेय
(D) रसवंती-सियारामशरण गुप्त

33. (D) रसवंती रामधारी सिंह दिनकर की रचनाकृति है सिया राम शरण गुप्त की नहीं है। सियाराम शरण गुप्त की रचनाएँ मौर्यविजय, अनाथ, दूर्वादल, विषाद, आर्द्रा, पाथेय, मृण्मयी, बापू, दैनिकी आदि हैं।

34. निम्न में से कौन-सी रचना एवं रचनाकार का युग्म सही नहीं है?

(A) काव्यनिर्णय –भिखारीदास
(B) रसरहस्य–कुलपति मिश्र
(C) रसविलास–चिंतामणि
(D) भावविलास–केशवदास

34. (D) सही सुमेल इस प्रकार है–
काव्यनिर्णय –भिखारीदास
रसरहस्य–कुलपति मिश्र
रसविलास–चिंतामणि
भावविलास–देव

35. वीर रस का स्थायीभाव है–

(A) शोक (B) भय
(C) उत्साह (D) निर्वेद

35. (C) वीर रस का स्थायी भाव उत्साह है। शोक करुण रस का, भय भयानक रस का तथा शान्त रस का स्थायी भाव निर्वेद है।

36. 'अंगदपैज' की रचना किसने की है?

(A) नाभादास (B) धरणीदास
(C) ईश्वरदास (D) मलूकदास

36. (C) सत्यवती कथा (1501), भरत मिलाप एवं अंगदपैज ईश्वरदास द्वारा लिखित रचना है।

37. वीभत्स रस का स्थायीभाव है–

(A) शोक (B) विस्मय
(C) जुगुप्सा (D) अद्‌भुत

37. (C) वीभत्स रस का स्थायीभाव जुगुप्सा है। शोक करुण रस का, विस्मय अद्‌भुत रस का स्थायी भाव है।

38. भारतेन्दु ने यात्रावृत्त सम्बन्धी कौन-सी रचना लिखी?

(A) गया यात्रा
(B) इलाहाबाद की यात्रा
(C) गंगा पार की यात्रा
(D) सरयू पार की यात्रा

38. (D) भारतेन्दु ने अनेक नगरों और तीर्थस्थलों की यात्रा की थी और उनके यात्रा वृत्तान्त समय-समय पर विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे। सरयूपार की यात्रा, लखनऊ की यात्रा, हरिद्वार की यात्रा, वैद्यनाथ धाम की यात्रा आदि उनके प्रमुख यात्रावृत्त हैं।

39. निम्न में से कौन शिलांकित कृति है?

(A) पाहुडदोहा (B) राउलवेल
(C) प्राकृतपैंगलम (D) वर्णरत्नाकर

39. (B) राउलवेल एक शिलांकित कृति है। विद्वानों ने इसका रचनाकाल दशवीं शताब्दी माना है। यह गद्य-पद्य मिश्रित चम्पूकाव्य की प्राचीनतम कृति है। इस कृति का रचयिता रोडा नामक कवि माना जाता है। पाहुडदोहा रामसिंह की रचनाकृति है। प्राकृतपैंगलम वंशीधर की टीका है। वर्णरत्नाकर के लेखक ज्योतिरीश्वर ठाकुर नामक मैथिली कवि हैं।

40. फणीश्वरनाथ रेणु की कौन-सी कहानी है?

(A) रसप्रिया (B) रसआखेटक
(C) रसिकप्रिया (D) प्रियानीलकण्ठी

40. (A) रसप्रिया फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी है। इनकी कहानियाँ तीसरी कसम, उर्फ मारे गये गुलफाम, ठुमरी, अग्निखोर, आदिम रात्रि की महक, लाल पान की बेगम आदि हैं। रस आखेटक एवं प्रिया नीलकण्ठी कुबेरनाथ राव के निबन्ध हैं।

41. निम्न में से कौन रेखाचित्र विधा की रचना नहीं है?

(A) कठ गुलाब
(B) क्षण बोले कण मुस्काए
(C) पुरानी स्मृतियाँ
(D) रेखाएँ बोल उठीं

41. (A) क्षण बोले कण मुस्काए कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की रेखाचित्र विधा है। **पुरानी स्मृतियाँ** प्रकाशचन्द्र गुप्त का रेखाचित्र है। **रेखाएँ बोल उठीं** देवेन्द्र सत्यार्थी का रेखाचित्र है। **कठ गुलाब रेखाचित्र** नहीं है।

42. 'अर्द्धकथानक' किस विधा की रचना है?

(A) जीवनी (B) उपन्यास
(C) आत्मकथा (D) नाटक

42. (C) 'अर्द्धकथानक' आत्मकथा विधा की रचना है। यह बनारसीदास जैन द्वारा रचित है। इसके सम्बन्ध में कहा गया है कि 'कदाचित समस्त आधुनिक आर्यभाषा साहित्य में इससे पूर्व कोई आत्मकथा नहीं है।

43. छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किसने कहा है?

(A) जयशंकर प्रसाद
(B) महादेवी वर्मा
(C) नंददुलारे वाजपेयी
(D) डॉ. नगेन्द्र

43. (D) 'छायावाद को स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह डॉ. नगेन्द्र ने कहा है। छायावाद एक विशेष प्रकार की भाव पद्धति है, जीवन के प्रति एक विशेष भावात्मक दृष्टिकोण है'' छायावाद की यह परिभाषा डॉ. नगेन्द्र की है।

44. 'अल्मोड़े का बाजार' किस विधा की रचना है?

(A) जीवनी (B) रिपोर्ताज
(C) प्रगति (D) यात्रावृत्त

44. (B) 'अल्मोड़े का बाजार' प्रकाशचंद्र गुप्त की रिपोर्ताज विधा है। इनके अन्य रिपोर्ताज 'स्वराजभवन' और बंगाल का अकाल है।

45. 'दुक्खम-सुक्खम' उपन्यास की लेखिका हैं।

(A) चित्रा मुदगल (B) प्रभा खेतान
(C) ममता कालिया (D) नासिका शर्मा

45. (C) 'दुक्खम-सुक्खम' उपन्यास ममता कालिया द्वारा लिखित है। इनके अन्य उपन्यास बेघर, नरक दर नरक, प्रेम कहानी, साथी, लड़कियाँ एवं दौड़ हैं।

46. साकेत महाकाव्य का सर्वाधिक मार्मिक सर्ग है—

(A) षष्ठ (B) सप्तम

(C) अष्टम् (D) नवम्

46. (D) मैथिलीशरण गुप्त रामभक्त कवि थे। उनका 'साकेत' रामकथा पर आधारित महाकाव्य है जिनके नवम् सर्ग में उर्मिला का विरह-वर्णन विशद रूप में किया गया है। साकेत महाकाव्य का सर्वाधिक मार्मिक सर्ग नवम सर्ग है।

47. पंचवटी शब्द में कौन-सा समास है?

(A) कर्मधारय (B) द्विगु

(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष

47. (B) **संख्या पूर्वे द्विगु :** द्विगु समास में पहला शब्द संख्यावाची होता है और उससे समूह का बोध होता है। द्विगु समास में दूसरा पद संज्ञा होता है। पंचवटी (पंञ्चाना वटानां समाहार:) में द्विगु समास है। जिस समास में पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य होता है, वहाँ कर्मधारय समास होता है। जिस समास में पूर्व पद अव्यय के हों और उसी अर्थ की प्रधानता हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। उत्तर पद प्रधान: तत्पुरुष:, तत्पुरुष समास में उत्तर पद प्रधान होता है।

48. अन्यमनस्क शब्द का आशय है—

(A) जिसका मन अपनी ओर हो

(B) जिसका मन किसी दूसरी ओर हो

(C) जिसका मन निर्मल हो

(D) जिसका मन केंद्रित हो

48. (B) अन्यमनस्क शब्द का आशय है—जिसका मन किसी दूसरी ओर हो।

49. 'कड़ाही से गिरा चूल्हे में आ पड़ा' का भाव है—

(A) एक विपत्ति से छूटकर दूसरी में आ पड़ना

(B) कड़ाही और चूल्हा पास-पास होता है

(C) एक बार भूल होती है तो बार-बार होती है।

(D) कड़ाही चूल्हे में गिर गई

49. (A) 'कड़ाही से गिरा चूल्हे में आ पड़ा' का भाव है—'एक विपत्ति से छूटकर दूसरी में आ पड़ना।'

50. निम्न में किस पत्रिका से सम्बन्धित साहित्यकार नहीं है?

(A) नया ज्ञानोदय-रवीन्द्र कालिया

(B) पहल-ज्ञानरंजन

(C) तद्भव-अखिलेश

(D) दस्तावेज-रामचन्द्र तिवारी

50. (D) रामचन्द्र तिवारी 'दस्तावेज' पत्रिका से सम्बन्धित नहीं हैं।

51. 'झीनी-झीनी बीनी चदरिया' किस उपन्यासकार की कृति है?

(A) राही मासूम रजा

(B) अब्दुल बिस्मिल्लाह

(C) असगर वजाहत

(D) मुद्राराक्षस

51. (B) 'झीनी-झीनी बीनी चदरिया' अब्दुल बिस्मिल्लाह का उपन्यास है। इस उपन्यासकार की अन्य रचनाएँ जहरवाद, दंत कथा तथा मुखड़ा क्या देखे हैं।

52. 'प्रभु जी तुम चंदन हम पानी' इस पंक्ति के रचनाकार हैं?

(A) चंदनदास (B) मलूकदास

(C) नानक (D) संत रैदास

52. (D) 'प्रभु जी तुम चंदन हम पानी' पंक्ति के रचनाकार संत रैदास हैं। संत रैदास विक्रम की पन्द्रहवीं शती, मीरा के पथ प्रदर्शक, सन्त धन्ना और पीपा के संगी तथा कबीरदास के समकालीन संत थे। ये भक्तिकाल की निर्गुण शाखा के कवि थे।

53. 'प्रबोध पचासा' ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

(A) रामानंद (B) कबीर

(C) मतिराम (D) पद्माकर

53. (D) 'प्रबोध पचासा' ग्रंथ के रचयिता पद्माकर हैं। इनके द्वारा रचित अन्य ग्रंथ हैं—हिम्मत बहादुर विरुदावली, पद्माभरण, जगद्विनोद, गंगालहरी, प्रतापसिंह विरुदावली और कलिपच्चीसी। ये रीति कालीन कवि हैं।

54. 'उद्योग' का संधि विच्छेद होगा—

(A) उत् + योग (B) उद् + योग

(C) उध + योग (D) उत् + अयोग

54. (A) संधि विच्छेद उत् + योग होगा। यह व्यंजन संधि है। यदि किसी प्रथम वर्ण के परे कोई अनुनासिक वर्ण हो तो प्रथम वर्ण के बदले उसी वर्ण का अनुनासिक वर्ण हो जाता है।

55. साम्प्रदायिक समस्या पर लिखा गया उपन्यास कौन है?

(A) तमस

(B) बलचनमा

(C) अपने अपने अजनबी

(D) बूँद और समुद्र

55. (A) साम्प्रदायिक समस्या पर लिखा गया उपन्यास तमस है। यह भीष्म साहनी द्वारा लिखा गया है। इसमें विभाजन की मानसिकता एवं उससे लाभ उठाने वाले लोगों को बेनकाब किया गया है। **बलचनमा** उपन्यास नागार्जुन का है। अपने-अपने अजनबी अज्ञेय लिखित उपन्यास है। बूँद और समुद्र अमृतलाल नागर का उपन्यास है जिसमें भारतीय समाज का रीति-रिवाज, आचार-विचार जीवन दृष्टि, मर्यादाओं एवं मान्यताओं का चित्रण कथानक द्वारा किया गया है।

56. 'घोटक' का तद्भव रूप क्या है?

(A) हय (B) अश्व

(C) घोड़ा (D) तुरंग

56. (C) 'घोटक का तद्भव रूप घोड़ा होगा।

57. 'जगन्नाथ' में कौन-सी संधि है?

(A) वृद्धि संधि (B) यण संधि

(C) स्वर संधि (D) व्यंजन संधि

57. (D) व्यंजन के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मेल से उस व्यंजन में जो रूपान्तरण होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं। जगन्नाथ का संधि विच्छेद जगत् + नाथ होगा।

58. 'अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना' मुहावरा है—

(A) अपनी बातें छिपाना

(B) अपनी निंदा स्वयं करना

(C) अपनी प्रशंसा स्वयं करना

(D) अपनी चर्चा करना

58. (C) अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना मुहावरे का अर्थ है—'अपनी प्रशंसा स्वयं करना'।

59. सम्पत्तिशास्त्र के लेखक का नाम है—

(A) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

(B) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(C) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(D) बाबू श्याम सुन्दर दास

59. (A) सम्पत्ति शास्त्र के लेखक का नाम आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी है। इनके लिखे हुए मौलिक और अनूदित गद्य-पद्य ग्रंथों की संख्या लगभग 80 है।

60. किस शब्द में 'आ' उपसर्ग नहीं है?

(A) आजन्म (B) आगमन

(C) आकर्षक (D) आदरणीय

60. (D) 'आदरणीय' शब्द में 'आ' उपसर्ग नहीं है।

61. निम्न में से किस कवि को 'अपभ्रंश का वाल्मीकि' कहा जाता है?

(A) सरहपा (B) पुष्पदंत
(C) स्वयंभू (D) हेमचंद

61. (C) 'अपभ्रंश का वाल्मीकि' स्वयंभू को कहा जाता है। पउमचरिउ रिट्ठणेमि चरिउ तथा स्वयंभू छन्द नामक तीन ग्रंथों की रचना उन्होंने की है।

62. 'साखी' किस कवि का काव्य-संग्रह है?
(A) केदारनाथ सिंह
(B) कुँवरनारायण
(C) मलयज
(D) विजयदेव नारायण साही

62. (D) 'साखी' विजयदेव नारायण साही का काव्य संग्रह है, इनकी अन्य रचनाएँ हैं—मछली घर, लघु मानव के बहाने, हिन्दी कविता पर एक बहस, शमशेर की काव्यानुभूति की बनावट है।

63. 'कलश' का पर्याय है—
(A) जल (B) कुम्भ
(C) पात्र (D) उपस्कर

63. (B) 'कलश' का पर्यायवाची कुंभ है। कलश के अन्य पर्यायवाची हैं—घड़ा, घट, गगरा आदि।

64. 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' यह किसने कहा?
(A) ध्रुवस्वामिनी (B) देवसेना
(C) कार्नेलिया (D) मधुलिका

64. (C) 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' यह पंक्ति चन्द्रगुप्त नाटक की पात्र कार्नेलिया द्वारा कही गयी है। जयशंकर प्रसाद जी के ऐतिहासिक नाटकों में चन्द्रगुप्त नाटक का विशिष्ट स्थान है। यह नाटक उन्होंने 1931 ई. में लिखा था। चाणक्य एवं चन्द्रगुप्त इनके प्रमुख पात्र हैं। कार्नेलिया इस नाटक की नायिका है।

65. 'खेट कौतुकम' किसकी रचना है?
(A) रहीम (B) रसखान
(C) कवि गंग (D) दादूदयाल

65. (A) 'खेट कौतुकम' रहीम द्वारा रचित ज्योतिष ग्रंथ है। रहीम की अन्य रचनाएँ हैं—रहीम दोहावली या सतसई, शृंगार सोरण, मदनाष्टक, रासपंचाध्यायी। रहीम ने तुलसी के समान अवधी और ब्रज दोनों भाषाओं में काव्य रचना की है।

66. पाप और पुण्य के चितरंजन नैतिक प्रश्न को किस उपन्यास में प्रस्तुत किया गया है?
(A) सामर्थ्य और सीमा
(B) चित्रलेखा
(C) भूले बिसरे चित्र
(D) आखिरी दाँव

66. (D) भगवतीचरण वर्मा द्वारा लिखित 'चित्रलेखा' उपन्यास में पाप-पुण्य की समस्या को प्रस्तुत किया गया है। वर्मा जी के अन्य उपन्यास हैं—भूले बिसरे चित्र, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, सामर्थ्य और सीमा, सबहिं नचावत राम गोसाईं आदि।

67. 'परमानन्द' शब्द में कौन-सा समास है?
(A) तत्पुरुष (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

67. (C) परमानन्द में कर्मधारय समास है। परम है जो आनन्द परमानन्द जिस समस्त शब्द के दोनों पदों में से एक विशेषण तथा दूसरा विशेष्य होता है अथवा एक उपमान तथा दूसरा उपमेय होता है। वह कर्मधारय समास कहलाता है।

68. किस शब्द में 'अ' उपसर्ग है?
(A) अभिमान (B) अनजान
(C) अभाव (D) अवमान

68. (C) अभाव शब्द में 'अ' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।

69. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की नाट्य कृति का नाम है—
(A) तिलचट्टा (B) शुतुरयुर्ग
(C) अंधों का हाथी (D) बकरी

69. (B) 'बकरी' सर्वेश्वरदयाल सक्सेना द्वारा लिखित नाट्य कृति है। इनकी अन्य नाट्य कृतियाँ हैं—लड़ाई, होरी धूम मच्यों री पीली पत्तियाँ आदि।

70. 'प्रत्येक' का संधि विच्छेद होगा—
(A) प्रत्य + एक (B) प्रति + एक
(C) प्रति + ऐक (D) प्रत्ये + एक

70. (B) प्रत्येक का संधि विच्छेद प्रति + एक होगा। इसमें यण स्वर संधि है। यदि इ, ई, उ, ऊ और ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आए तो इनका परिवर्तन क्रमशः य, व, र में हो जाता है। यह 'इकोयणचि' सूत्र से सिद्ध हुआ।

71. ''समरस थे जड़ या चेतन सुंदर साकार बना था। चेतनता एक विलसती आनन्द अखंड घना था। इन पंक्तियों में कौन-सा रस है?
(A) शृंगार रस (B) करुण रस
(C) शांत रस (D) भयानक रस

71. (C) इन पंक्तियों में शान्त रस है। मन में संयम, शांति या वैराग्य को जाग्रत करने वाले प्रसंगों के चित्रण में शान्त रस होता है। शान्त रस का स्थायी भाव निर्वेद या वैराग्य होता है।

72. बिहारी हिन्दी की बोली का नाम है—
(A) मगही (B) बघेली
(C) छत्तीसगढ़ी (D) बुंदेली

72. (A) बिहारी हिन्दी की बोली का नाम मगही है। मगही मागधी या मगध की भाषा का आधुनिक नाम है। इसके क्षेत्र में पटना, गया और हजारीबाग आता है। मगही में ललित साहित्य का अभाव है। संत कवियों में बाबा मोहनदास और हेमनाथ मगही के प्रसिद्ध कवि हैं।

73. निम्न में से कौन वार्णिक छंद है?
(A) दोहा (B) चौपाई
(C) सवैया (D) रोला

73. (C) सवैया वार्णिक छन्द है। सवैया छन्द के कई भेद हैं। ये भेद गणों के संयोजन के आधार पर बनते हैं। इनमें सबसे प्रसिद्ध मत्तगयंद सवैया है। इसे मालती सवैया भी कहते हैं। इसके प्रत्येक चरण में सात भगण और अंत में दो गुरु वर्ण होते हैं। इस प्रकार इस सवैया के प्रत्येक चरण में 22 से लेकर 26 तक वर्ण होते हैं।

74. 'विज्ञानगीता' की रचना किसने की?
(A) व्यास जी (B) बालगंगाधर तिलक
(C) केशवदास (D) चिंतामणि

74. (C) प्रमुख रीतिबद्ध कवि केशवदास 'विज्ञानगीता' के रचयिता हैं। इनकी अन्य रचनायें हैं—कविप्रिया, रसिकप्रिया, रामचंद्रिका, वीरसिंह देवचरित, रतन बावनी और जहाँगीर जसचन्द्रिका। कविप्रिया और रसिकप्रिया काव्यशास्त्रीय पुस्तकें हैं।

75. 'वह पथ बंधु था' उपन्यास के लेखक हैं।
(A) नरेश मेहता (B) प्रभाकर माचवे
(C) भैरव प्रसाद गुप्त (D) रांगेय राघव

75. (A) वह पथ बन्धु था उपन्यास के लेखक नरेश मेहता हैं। इसका अन्य उपन्यास डूबते मस्तूल भी है।

76. उदयप्रकाश द्वारा लिखित कौन-सी कहानी नहीं है?
(A) तिरिछ
(B) पाल गोमरा का स्कूटर
(C) पीली आँधी
(D) दरियाई घोड़ा

76. (C) तिरिछ, पीली छतरी वाली लड़की, दत्तात्रेय का दु:ख, पाल गोमरा का स्कूटर और अन्त में प्रार्थना, दरियाई घोड़ा उदयप्रकाश लिखित कहानियाँ हैं। पीली आँधी, उदयप्रकाश द्वारा लिखित कहानी नहीं है।

होती है। इनका विग्रह करने पर बीच में समुच्चयबोधक संयोजक और अथवा या लगाते हैं।

77. निम्न में कौन-सा कथन सत्य नहीं है?
(A) संस्कृत में तीन वचन होते हैं
(B) हिन्दी में दो वचन होते हैं
(C) हिन्दी में दो लिंग होते हैं
(D) संस्कृत में हिन्दी की तरह दो लिंग होते हैं

77. (D) हिन्दी में दो लिंग पुल्लिंग और स्त्रीलिंग होते हैं। संस्कृत में तीन लिंग पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसकलिंग होते हैं। संस्कृत में हिन्दी की तरह दो लिंग होते हैं। यह कथन असत्य है।

78. नटों के जीवन संघर्ष का उल्लेख किस उपन्यास में नहीं है?
(A) कब तक पुकारूँ (B) शैलूष
(C) झूलानट (D) सेवासदन

78. (D) कब तक पुकारूँ, शैलूष और झूलानट उपन्यास में नटों के जीवन संघर्ष का उल्लेख किया गया है। प्रेमचन्द के सेवासदन उपन्यास में नटों के जीवन संघर्ष का उल्लेख नहीं मिलता है।

79. 'ओछे की प्रीति बालू की भीति' का भाव है—
(A) बालू की दीवार कमजोर होती है
(B) ओछे लोग बालू की दीवार बनाकर रहते हैं
(C) बालू की दीवार की भाँति ओछे लोगों का प्रेम अस्थायी होता है
(D) बालू ओछा पदार्थ होता है

79. (C) ओछे की प्रीति बालू की भीति का भाव है—'बालू की दीवार की भाँति ओछे लोगों का प्रेम अस्थायी होता है।'

80. 'हम विषपायी जनम के' इस काव्य कृति के रचनाकार हैं—
(A) सुभद्रा कुमारी चौहान
(B) रामनरेश त्रिपाठी
(C) बालकृष्ण शर्मा नवीन
(D) गोपाल सिंह नेपाली

80. (D) 'हम विषपायी जनम के' इस काव्य कृति के रचनाकार द्विवेदी युगीन कवि 'बालकृष्ण शर्मा नवीन' हैं। इनकी अन्य रचनाएँ हैं कंकुम, उर्मिला, अपलक, रश्मि रेखा, क्वासि, विनोबा स्तवन, प्राणार्पण आदि हैं।

81. चंद्रिका का पर्याय है—
(A) चन्द्रहास (B) रजत
(C) कौमुदी (D) स्वर्णकिरण

81. (C) चन्द्रिका का पर्याय कौमुदी होता है। चन्द्रिका के अन्य पर्याय हैं—ज्योत्सना, चन्द्रमरीची, अमृत, तरंगिणी।

82. निम्न में से कौन-सा उपन्यास एवं उपन्यासकार का युग्म सही नहीं है?
(A) महाभोज—मन्नू भंडारी
(B) आवां—चित्रा मुद्गल
(C) तत्सम—राजी सेठ
(D) मुझे सूरज चाहिए—सुरेन्द्र वर्मा

82. (D) 'मुझे सूरज चाहिए' उपन्यास के लेखक सुरेन्द्र वर्मा नहीं हैं।

83. 'प्रेम को पंथ कराल महा, तरवारि की धार पै धावनो है।' इस पंक्ति के रचयिता हैं—
(A) आलम (B) मतिराम
(C) घनानंद (D) बोधा

83. (D) "प्रेम को पंथ कराल महा, तरवारि की धार पै धावनो है।" इस पंक्ति के रचयिता बोधा हैं। बोधा रीतिकाल के रीतिमुक्त धारा के कवि थे। वे पन्ना राजदरबार की सुभान नामक वेश्या पर आसक्त थे। प्रेम की परिधि स्वानुभूत व्यंजना करने में वे बड़े कुशल थे। इनकी भावुकता एवं रसज्ञता का परिचय इस उपर्युक्त पंक्ति में दिखाई पड़ता है।

84. "नाटक के लिए रंगमंच होना चाहिए, रंगमंच के लिए नाटक नहीं" यह कथन किसका है?
(A) मोहन राकेश
(B) मुद्राराक्षस
(C) डॉ. राम कुमार वर्मा
(D) जयशंकर प्रसाद

84. (D) "नाटक के लिए रंगमंच होना चाहिए, रंगमंच के लिए नाटक नहीं" यह कथन जयशंकर प्रसाद का है। जयशंकर प्रसाद के सज्जन, कल्याणी, परिणय, करुणालय, प्रायश्चित, राजश्री, विशाखदत्त, अजातशत्रु, कामना, जनमेजय का नागयज्ञ, स्कन्दगुप्त, एक घूँट, चन्द्रगुप्त एवं ध्रुवस्वामिनी प्रमुख नाटक हैं।

85. 'अथवा' व्याकरण की दृष्टि से है—
(A) संधि (B) उपसर्ग
(C) अन्वय (D) अव्यय

85. (D) जिन शब्दों में लिंग वचन, कारक से कोई विकार उत्पन्न नहीं होता, उसे अव्यय कहते हैं। ये शब्द प्रत्येक स्थिति में अपने मूल रूप में बने रहते हैं इसी कारण अव्यय को अविकारी शब्द कहा गया है। अत: 'अथवा' शब्द व्याकरण की दृष्टि से अव्यय है।

86. निम्नलिखित में द्वन्द्व समास बताइए—
(A) शोकाकुल (B) सर्वोत्तम
(C) वीरपुरुष (D) पाप-पुण्य

86. (D) पाप-पुण्य में द्वन्द्व समास है। द्वन्द्व का शाब्दिक अर्थ है युग्म या जोड़ा। इस समास में दो पद होते हैं तथा दोनों पदों की प्रधानता

87. निम्न में से कौन किसके लिए प्रसिद्ध नहीं है?
(A) उपमा के लिए कालिदास
(B) करुणा के लिए भवभूति
(C) अलंकार के लिए भामह
(D) वक्रोक्ति के लिए क्षेमेन्द्र

87. (D) वक्रोक्ति के लिए कुन्तक प्रसिद्ध हैं क्षेमेन्द्र नहीं।

88. निम्न में से किस कवि ने 'सतसई' की रचना नहीं की है?
(A) मतिराम (B) सेनापति
(C) बिहारी (D) वृंद

88. (D) मतिराम, सेनापति और बिहारी ने 'सतसई' की रचना की है वृन्दकवि ने वृन्द सतसई नामक नीतिग्रन्थ में सात सौ दोहों की रचना की है।

89. महाप्राण ध्वनियाँ व्यंजन-वर्ग में किससे सम्बन्धित हैं?
(A) पहला, दूसरा (B) दूसरा, तीसरा
(C) दूसरा, चौथा (D) पहला, चौथा

89. (C) महाप्राण ध्वनियाँ व्यंजन वर्ग में दूसरे एवं चौथे वर्ण से सम्बन्धित हैं।

90. निम्न में से दलित आत्मकथा नहीं है—
(A) अपने-अपने पिंजरे (B) जूठन
(C) तिरस्कृत (D) मेरी असफलताएँ

90. (D) 'मेरी असफलताएँ' एक दलित आत्मकथा नहीं है।

91. कबीर किस शासक के समकालीन थे?
(A) हुमायूँ (B) अकबर
(C) सिकन्दर लोदी (D) बहादुरशाह जफर

91. (C) सिकन्दर लोदी (1488-1517) द्वारा किये गये अत्याचारों का वर्णन अनन्तदास कृत 'कबीर—परिचई' में किया गया है। इससे कबीर दास की साम्यता मिलती है। तात्पर्य यह है कि कबीर सिकन्दर लोदी के समकालीन थे।

92. 'शिवराजभूषण' ग्रन्थ में किसका विवेचन मिलता है?
(A) रस (B) ध्वनि
(C) अलंकार (D) औचित्य

92. (C) भूषण ने शिवराजभूषण की रचना महाराज शिवाजी के आश्रय में रहकर की। इनमें से शिवराज भूषण अलंकार ग्रन्थ है जिसमें

105 अलंकारों के लक्षण और उदाहरण जयदेव कृत चन्द्रालोक के आधार पर किये गये हैं।

93. भाषा की सार्थक लघुत्तम इकाई है—
(A) शब्द (B) पद
(C) ध्वनि (D) वाक्य

93. (A) भाषा की सार्थक लघुत्तम इकाई 'शब्द' है।

94. 'राधावल्लभ' सम्प्रदाय' का प्रवर्तन किसने किया?
(A) वल्लभाचार्य (B) माध्वाचार्य
(C) हितहरिवंश (D) सूरदास

94. (C) राधा भल्लभ सम्प्रदाय का प्रवर्तन स्वामी हित हरिवंश ने वृन्दावन में किया। इस सम्प्रदाय में प्रेम को ही भक्ति का मूलाधार बताया गया है। अनन्त भावों और अनन्त रूपों में नित्य क्रीड़ा करने वाला प्रेम ही परम तत्व माना गया है।

95. 'अंजोदीदी' किस विधा की रचना है?
(A) कविता (B) नाटक
(C) कहानी (D) उपन्यास

95. (B) 'अंजोदीदी' उपेन्द्रनाथ अश्क द्वारा लिखित नाटक विधा की रचना है। अश्क की अन्य नाटक कृतियाँ हैं—स्वर्ग की झलक, छठा बेटा, अलग-अलग रास्ते, अंधी गली, कैद, उड़ान, जय-पराजय आदि।

96. 'न बहुत गर्म न बहुत ठण्डा' कहलाता है—
(A) समशीत (B) समउष्ण
(C) उष्णकटिबन्ध (D) समशीतोष्ण

96. (D) न बहुत गर्म न बहुत ठण्डा 'समशीतोष्ण' कहलाता है।

97. स्वप्न का विलोम है—
(A) दिवास्वप्न (B) खुमारी
(C) निद्रा (D) जागरण

97. (D) 'स्वप्न' का विलोम 'जागरण' होगा।

98. अहेतुक का शुद्ध रूप है—
(A) अहितकी (B) अहैतुकी
(C) बेतुकी (D) अभितुकी

98. (B) अहेतुक का शुद्ध रूप 'अहैतुकी' होगा।

99. वल्लभाचार्य द्वारा रचित ग्रन्थ का नाम है—
(A) सिद्धान्त संग्रह (B) अध्यात्म रामायण
(C) महाभाष्य (D) अणुभाष्य

99. (D) वल्लभ सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य वल्लभाचार्य माने जाते हैं। इनके मार्ग को पुष्टिमार्ग कहा जाता है। वल्लभाचार्य के लिखे ग्रन्थ निम्नलिखित हैं—पूर्व मीमांसा भाष्य, अणुभाष्य, श्रीमद्भागवत सूक्ष्म टीका, तत्वदीप निबन्ध। वल्लभाचार्य जी अणुभाष्य कृति को पूरा नहीं कर पाए थे जिसे उनके पुत्र विट्ठल नाथ ने पूर्ण किया।

100. 'जो शीघ्र ही किसी बात या युक्ति को सोच ले' उसे कहेंगे—
(A) सहमति (B) व्युत्पन्नमति
(C) प्रत्युत्पन्नमति (D) सम्मति

100. (C) 'जो शीघ्र ही किसी बात या युक्ति को सोच ले' के लिए एक शब्द 'प्रत्युत्पन्नमति' होगा।

101. निम्न में से कौन-सी रचना के रचनाकार का नाम सही नहीं है?
(A) फूल नहीं रंग बोलते हैं – केदारनाथ अग्रवाल
(B) उस जनपद का कवि हूँ – त्रिलोचन शास्त्री
(C) सीढ़ियों पर धूप में – शमशेर बहादुर सिंह
(D) संसद से सड़क तक – सुदामा पांडेय धूमिल

101. (C) सीढ़ियों पर धूप में रचना रघुवीर सहाय द्वारा लिखित है। इनकी अन्य रचनाएँ हैं, आत्म हत्यारे के विरुद्ध, हँसो हँसो जल्दी हँसो, लोग भूल गये हैं।

102. किस कवि को 'अभिनव जयदेव' नाम से जाना जाता है?
(A) विद्यापति (B) भवभूति
(C) नरसी मेहता (D) रविदास

102. (A) आदिकाल में विद्यापति जैसे शृंगारी कवि भी हुए हैं जिन्होंने मैथिली भाषा में '**पदावली**' की रचना की है। **कीर्तिलता, कीर्तिपताका** उन्होंने **अपभ्रंश भाषा** में लिखी हैं। वे मिथिला के राजा शिवसिंह के दरबारी कवि थे। विद्यापति को मैथिल कोकिल, विशेखर, अभिनव जयदेव के नाम से भी जाना जाता है।

103. 'दूसरी परम्परा की खोज' किस विधा की रचना है?
(A) आलोचना (B) खोज एवं सर्वेक्षण
(C) कहानी (D) ललित निबन्ध

103. (A) दूसरी परम्परा की खोज डॉ. नामवर सिंह द्वारा लिखित आलोचना विधा की रचना है। इनकी अन्य आलोचनाएँ, हैं—कहानी और नयी कहानी, छायावाद, कविता के नए प्रतिमान, इतिहास और आलोचना एवं आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ हैं। नामवर सिंह मध्यकालीन और आधुनिक साहित्य के मर्मज्ञ विद्वान हैं। हिन्दी के समकालीन लेखन को वे सर्वाधिक प्रभाहित करने वाले समालोचक हैं।

104. 'धन्य भारत भूमि सब रतननि की उपजावनि' इस पंक्ति के लेखक हैं—
(A) प्रताप नारायण मिश्र
(B) बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(D) मैथिलीशरण गुप्त

104. (B) 'धन्य भारत भूमि सब रतननि की उपजावनि' पंक्ति बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन' द्वारा रचित है। विदेशी शासकों के अत्याचारों से पीड़ित भारतीय जनमानस में राष्ट्रीयता की भावना का संचार करने का प्रयास भारतेन्दु युगीन कवियों ने किया है। यह प्रेमघन की पंक्ति इसी भावना से ओत-प्रोत है।

105. 'पहला गिरमिटिया' उपन्यास विशेषकर किस पर केन्द्रित है?
(A) पं. जवाहरलाल नेहरू
(B) महात्मा गाँधी
(C) लाल बहादुर शास्त्री
(D) विनोबा भावे

105. (B) गिरिराज किशोर का '**पहला गिरमिटिया**' उपन्यास विशेषकर महात्मा गाँधी पर केन्द्रित है। इनके अन्य उपन्यास—यात्राएँ, जुगलबन्दी, चिड़ियाघर, प्रस्तावित एवं असलाह हैं।

106. अमीर खुसरो किस नाम से जाने जाते थे?
(A) तूतिए हिन्द (B) तोता-ए-हिन्द
(C) सितारे हिन्द (D) सरहिन्द

106. (B) अमीर खुसरो का जन्म एटा जिले के पटियाली गाँव में 1225 ई. में हुआ था। उन्होंने जनता के मनोरंजन के लिए पहेलियाँ लिखीं। इनको खड़ी बोली हिन्दी का पहला कवि माना जाता है। खुसरो के ग्रन्थों की संख्या 100 बताई जाती है। इनकी रचनाओं में प्रसिद्ध हैं—खालिकबारी, खुसरो की पहेलियाँ, मुकरियाँ, दोसखूने और गजल। अमीर खुसरो को **तोता-ए-हिन्द** के नाम से जाना जाता है।

107. देश विभाजन की त्रासदी किस उपन्यास में वर्णित है?
(A) राग दरबारी (B) गबन
(C) झूठा सच (D) इन्हीं हथियारों से

107. (C) **झूठा सच** (1958) यशपाल द्वारा लिखित उपन्यास है। झूठा-सच विभाजन की महाकाव्यात्मक गाथा है। भारत विभाजन की त्रासदी कितनी भयंकर और प्रभाव से दूरगामिनी है, इस पर यशपाल जैसे पुराने क्रान्तिकारी और प्रसिद्ध लेखक का ध्यान जाना उचित ही था।

108. उपजाऊ का विलोम है—

(A) सिंचित (B) खाद

(C) ऊसर (D) बंजर

108. (C) उपजाऊ का विलोम शब्द ऊसर होगा।

109. ''देसिल बअना सबजन मिट्ठा'' यह प्रसिद्ध उक्ति किसने कही?

(A) विद्यापति (B) अमीर खुसरो

(C) अब्दुर्रहमान (D) कवि गंग

109. (A) ''देसिल बअना सबजन मिट्ठा'' प्रसिद्ध उक्ति मैथिली कवि विद्यापति द्वारा कही गयी है।

110. निम्न में अर्द्धस्वर कहलाता है—

(A) य (B) म

(C) र (D) ल

110. (A) य और व अर्द्धस्वर होते-होते बाद में स्वर ही हो गये और आस-पास के स्वरों से मिलकर एक प्रकार से संधि स्वर हो गये।

111. 'सूरदास' किस उपन्यास का चर्चित पात्र है?

(A) गोदान (B) कर्मभूमि

(C) रंगभूमि (D) कायाकल्प

111. (C) सूरदास प्रेमचंद कृत रंगभूमि उपन्यास का चर्चित पात्र है। प्रेमा, रूठी रानी, सेवासदन, वरदान, प्रेमाश्रय, कायाकल्प, निर्मला, प्रतिज्ञा, गबन, कर्मभूमि, गोदान, मंगलसूत्र (अधूरा) प्रेमचन्द के अन्य उपन्यास हैं।

112. 'जो अधिक बोलता है' उसे कहते हैं—

(A) मितभाषी (B) मृदुभाषी

(C) वक्ता (D) वाचाल

112. (D) 'जो अधिक बोलता है' उसे 'वाचाल' कहते हैं।

113. रीतिकाल को 'अलंकृतकाल' नाम किसने दिया?

(A) रामशंकर शुक्ल रसाल

(B) विश्वनाथ मिश्र

(C) मिश्रबन्धु

(D) रामचन्द्र शुक्ल

113. (C) रीतिकाल के नामकरण पर विद्वानों में पर्याप्त मतभेद है। मिश्रबन्धुओं ने उसे 'अलंकृत काल' कहा है, जबकि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल इसे 'रीतिकाल' और पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने 'शृंगारकाल' की संज्ञा दी है। रामशंकर शुक्ल रसाल ने रीतिकाल को कलाकाल कहा है। हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल रीतिकाल के नाम से जाना जाता है।

114. गोकुलनाथ की रचना का नाम है?

(A) चौरासी वैष्णवन की वार्ता

(B) भक्तमाल

(C) छिताईवार्ता

(D) गोसाईंचरित

114. (A) गोकुलनाथ की रचना का नाम **चौरासी वैष्णवन की वार्ता** एवं **दो सौ बावन वैष्णवन** की वार्ता है। भक्तमाल नाभादास कृत रचना है।

115. 'वागर्थ' पत्रिका कहाँ से प्रकाशित होती है?

(A) मुम्बई (B) वाराणसी

(C) नई दिल्ली (D) कोलकाता

115. (D) 'वागर्थ' पत्रिका 'कोलकाता' से प्रकाशित होती थी।

116. 'साये में धूप' काव्य कृति के रचयिता हैं—

(A) रघुवीर सहाय (B) दुष्यंत कुमार

(C) नरेश मेहता (D) धर्मवीर भारती

116. (B) 'साये में धूप' काव्य कृति दुष्यंत कुमार द्वारा रचित है। इनकी अन्य रचनाएँ—सूर्य का स्वागत, आवाजों के घेरे, जलते हुए पवन का बसन्त हैं।

117. "अकाल पुरुष गाँधी" किसने इस जीवनी की रचना की है?

(A) जैनेन्द्र (B) अज्ञेय

(C) डॉ. देवराज (D) प्रभाकर माचवे

117. (A) आलोच्य युग में जीवनी साहित्य का बहुमुखी विकास हुआ। 'अकाल पुरुष गाँधी' जीवनी की रचना जैनेन्द्र कुमार ने की है।

118. भारत-भारती का प्रकाशन किस वर्ष हुआ?

(A) 1912 ई. (B) 1914 ई.

(C) 1916 ई. (D) 1918 ई.

118. (A) मैथिलीशरण गुप्त की ख्याति का मूलाधार **भारत-भारती** है, जिसका प्रकाशन सन् 1912 ई. में हुआ। '**भारत-भारती**' ने हिन्दी भाषियों में जाति और देश के प्रति गर्व और गौरव की भावनाएँ प्रबुद्ध कीं और तभी से ये राष्ट्रकवि के रूप में विख्यात हुए। गुप्तजी के प्रमुख काव्य ग्रन्थ हैं—जयद्रथ वध (1920), पंचवटी (1925), झंकार (1929), साकेत (1931), यशोधरा (1932), द्वापर (1936), जयभारत, (1952), विष्णुप्रिया (1957) आदि। प्लासी का युद्ध, मेघनाद-वध, वृत्त संहार आदि इनके द्वारा अनूदित काव्य हैं।

119. कामायनी में शृद्धा किसका प्रतीक है?

(A) तन का (B) मन का

(C) हृदय का (D) बुद्धि का

119. (C) कामायनी जयशंकर प्रसाद की अन्तिम कृति है। उसके कथानक का आधार वह प्राचीन आख्यान है जिसके अनुसार मनु के अतिरिक्त सम्पूर्ण देव जाति का विनाश हो जाता है और मनु तथा शृद्धा के संयोग से मानव सभ्यता का प्रवर्तन होता है। मनु अर्थात् मन के दोनों पक्ष हृदय और मस्तिष्क का सम्बन्ध क्रमश: शृद्धा और इड़ा से भी सरलता से लग जाता है। कामायनी में शृद्धा हृदय का प्रतीक है।

120. 'अतीन्द्रिय' शब्द का आशय है?

(A) इन्द्रियों की पहुँच से बाहर

(B) इन्द्रियों की रखवाली करने वाला

(C) इन्द्रियों का स्वामी

(D) इन्द्रियों के वश में रहने वाला

120. (A) अतीन्द्रिय शब्द का आशय 'इन्द्रियों की पहुँच से बाहर' होना है।

121. 'कुटिल' का विलोम है—

(A) जटिल (B) रूढ़

(C) ऋजु (D) वक्र

121. (C) 'कुटिल' का विलोम 'ऋजु' होगा।

122. 'अधिकार खोकर बैठना यह महादुष्कर्म है। इस पंक्ति के रचयिता हैं'—

(A) रामधारी सिंह दिनकर

(B) मैथिलीशरण गुप्त

(C) निराला

(D) सुभद्रा कुमारी चौहान

122. (B) अधिकार खोकर बैठना यह महादुष्कर्म है इस पंक्ति के रचयिता 'मैथिली शरण गुप्त हैं।'

123. मध्यवर्ग की पारिवारिक समस्या को दर्शाने वाला नाटक है—

(A) जनमेजय का नागयज्ञ

(B) अंधायुग

(C) आधे-अधूरे

(D) तमस

123. (C) मोहन राकेश का नाटक 'आधे-अधूरे' मध्यवर्गीय जीवन की विडम्बना को प्रस्तुत करने वाला एक सशक्त नाटक है। नायक महेन्द्रनाथ अपने अधूरेपन को भरने के लिए विवाह करता है, परन्तु नायिका 'सावित्री' जिस पूर्ण पुरुष की तलाश में है, वह महेन्द्रनाथ में नहीं खोज पाती है। **जनमेजय का नागयज्ञ** जयशंकर प्रसाद का नाटक है। **अन्धा युग** धर्मवीर भारती द्वारा रचित एक गीति नाट्य है। **तमस भीष्म साहनी** का राजनीतिक उपन्यास है।

124. राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?

(A) बालगंगाधर तिलक

(B) मुंशी आयंगर

(C) बालगंगाधर खेर

(D) काका साहब कालेलकर

124. (C) संविधान के अनुच्छेद 344 के अनुपालन में राष्ट्रपति द्वारा 7 जून, 1955 को राजभाषा आयोग का गठन बालगंगाधर खेर (बी. जी. खेर) की अध्यक्षता में किया गया। विभिन्न राज्यों से इसके 20 सदस्य मनोनीत किए गए। आयोग ने अपनी 19 सिफारिशें प्रस्तुत कीं।

125. आदिकाल को 'प्रारम्भिक काल' नाम किसने दिया ?

(A) डॉ. ग्रियर्सन

(B) मिश्रबन्धु

(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

125. (B) आदिकाल को 'प्रारम्भिक काल' नाम 'मिश्रबन्धु' ने दिया।

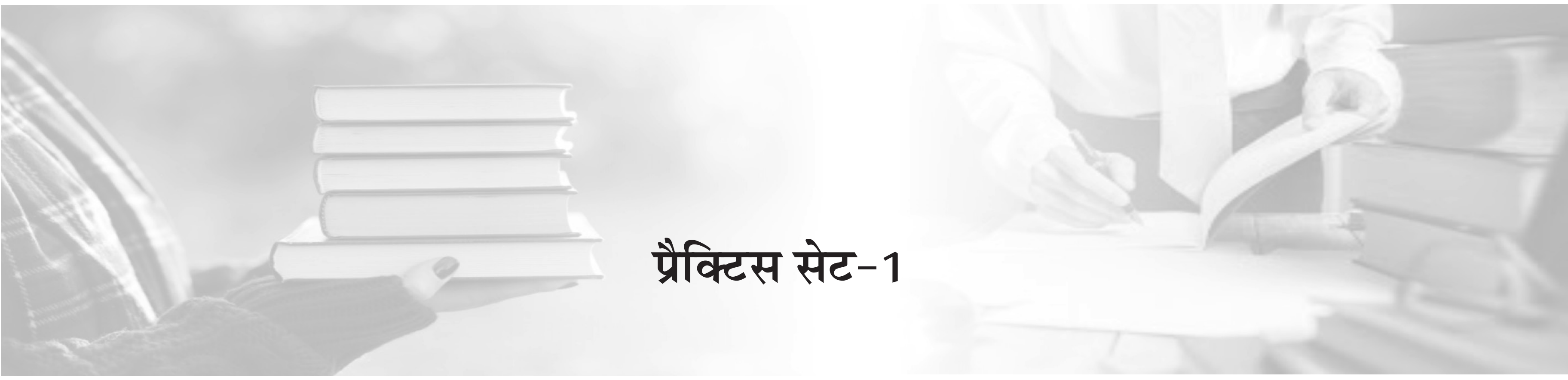

प्रैक्टिस सेट-1

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 5 तक)

नीचे दिये गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गद्यांश

सच्चे वीर अपने प्रेम के जोर से लोगों को सदा के लिए बांध देते हैं। वीरता की अभिव्यक्ति कई प्रकार से होती है। कभी लड़ने-मरने से, खून बहाने से, तोप तलवार के सामने बलिदान करने से होती है तो कभी जीवन के गूढ़ तत्व और सत्य की तलाश में बुद्ध जैसे राजा विरक्त होकर वीर हो जाते हैं। वीरता एक प्रकार की अन्त: प्रेरणा है। जब कभी उसका विकास हुआ तभी एक रौनक, एक रंग, एक बहार संसार में छा गई। वीरता हमेशा निराली और नई होती है। वीरों को बनाने के कारखाने नहीं होते। वे तो देवदार के वृक्ष की भाँति जीवन रूपी वन में स्वयं पैदा होते हैं और बिना किसी के पानी दिये, बिना किसी के दूध पिलाये बढ़ते हैं। "जीवन के केन्द्र में निवास करो और सत्य की चट्टान पर दृढ़ता से खड़े हो जाओ, बाहर की सतह छोड़कर जीन के अंदर की तहों में पहुँचो तब नए रंग खिलेंगे।" यही वीरता का संदेश है।

1. इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक होगा—
(A) वीरता संस्मरण
(B) सच्ची वीरता
(C) वीरों का उत्पन्न होना
(D) देवदार और वीर

2. वीरता का संदेश क्या है?
(A) यह संकल्प कि किसी भी हालत में युद्ध जीतना है
(B) बुद्ध जैसे राजा की भाँति विरक्त होना
(C) उद्देश्य के लिए सच्चाई पर चट्टान की तरह अटल रहना
(D) हमेशा नया और निराला रहना

3. वीरों की देवदार वृक्ष से तुलना की गई है, क्योंकि दोनों—
(A) खाना-पीना मिलने पर ही बढ़ते हैं
(B) का दिल उदार होता है
(C) सत्य का हमेशा पालन करते हैं
(D) स्वयं पैदा होते हैं और बिना किसी के दूध पिलाये बढ़ते हैं

4. निम्न में से कौन-सा रूप वीरता का नहीं है?
(A) क्रोध (B) युद्ध
(C) त्याग (D) दान

5. वीरता का एक विशेष लक्षण है—
(A) नयापन (B) नकल
(C) हास्य (D) करुणा

निर्देश (प्रश्न संख्या 6 से 10 तक)

निम्न प्रश्नों में स्वर या मात्रा की दृष्टि से शब्द को अशुद्ध रूप में लिया गया है। नीचे दिये गये विकल्पों में शुद्ध रूप चुनिए।

6. (A) निलिप्त (B) निर्लप्त
(C) निर्लिप्त (D) निर्लीप्त

7. (A) इच्छादुम (B) इच्छाद्रुम
(C) इच्छाद्रम (D) इच्छादम

8. (A) द्विरुक्ति (B) दिरुक्ति
(C) द्विरक्ती (D) द्विरुकती

9. (A) विसमृत्ति (B) विसमरती
(C) विस्मती (D) विस्मृति

10. (A) जगतापाण (B) जगतप्राण
(C) जगत्प्राण (D) जगर्त्पाण

निर्देश (प्रश्न संख्या 11 से 15 तक)

इन प्रश्नों में प्रत्येक में एक शब्द दिया गया है जिसके नीचे चार शब्द अंकित हैं। इनमें से एक दिये हुये शब्द का विलोमार्थी शब्द है। सही विलोमार्थी शब्द चुनिए।

11. दिवस
(A) विभावरी (B) अरविन्द
(C) प्रवाहिणी (D) विचक्षण

12. निर्मल
(A) पवित्र (B) शुद्ध
(C) मलिन (D) मृदु

13. उद्यम
(A) प्रवीण (B) आलस्य
(C) नीरज (D) नृप

14. महान
(A) मरण (B) चेतन
(C) क्षुद्र (D) मूढ़

15. द्युति
(A) छवि (B) प्रभा
(C) ज्योति (D) अन्धकार

निर्देश (प्रश्न संख्या 16 से 20 तक)

इन प्रश्नों में एक मुहावरा दिया गया है जिसके नीचे चार विकल्पों में उसके अर्थ दिए गए हैं। एक अर्थ सही है और यही सही विकल्प है। सही विकल्प चुनिए।

16. आँख के अन्धे, गाँठ के पूरे
(A) धनी परन्तु मूर्ख
(B) गरीब किन्तु अक्लमन्द
(C) धनी परन्तु अक्लमन्द
(D) गरीब परन्तु मूर्ख

17. गागर में सागर भरना
(A) सक्षिप्त बात को विस्तृत रूप में कहना
(B) संक्षिप्त बात को संक्षेप में कहना
(C) विस्तृत बात को संक्षेप में कहना
(D) विस्तृत बात को विस्तृत रूप में कहना

18. चोर के पैर नहीं होते—
(A) पापी का मन स्थिर होता है
(B) पापी का मन अस्थिर होता है
(C) पवित्र व्यक्ति का मन अस्थिर होता है
(D) गरीब का मन अस्थिर होता है

19. पेट भरे मन-मोदक से कब—
(A) पुरुषार्थ से किसी काम में सफलता न मिलना
(B) सच्चाई व ईमानदारी से किसी काम में सफलता न मिलना
(C) केवल भगवान के नाम लेने से किसी काम में सफलता न मिलना
(D) केवल सोचते रहने से किसी काम में सफलता न मिलता

20. अरहर की टट्टी गुजराती ताला
(A) बड़ी वस्तु के लिए अधिक व्यय करना
(B) बड़ी वस्तु के लिये कम व्यय करना
(C) छोटी वस्तु के लिये अधिक व्यय करना
(D) छोटी वस्तु के लिये कम व्यय करना

21. जो मिठाइयाँ पसन्द हों आप खा लो।
(A) जो मिठाई पसन्द हों आप खा लो
(B) जो मिठाई पसन्द हों तुम खा लो
(C) जो मिठाइयाँ पसन्द हों तुम खा लो
(D) जो मिठाइयाँ पसन्द हों उन्हें आप खाइये

22. हम बचपन में वहाँ जाता रहा।

(A) हम बचपन में वहाँ जायेंगे
(B) हम बचपन में वहाँ जाते रहे हैं
(C) मैं बचपन में वहाँ जाता रहा
(D) मैं बचपन में वहाँ जाऊँगा

23. प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकते।

(A) प्रत्येक व्यक्ति कविता कर सकते हैं
(B) प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकते हैं
(C) प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकता
(D) हर व्यक्ति कविता कर सकते हैं

24. हेम नरेश को पुस्तक दिया–

(A) हेम नरेश की पुस्तक दी
(B) हेम ने नरेश को पुस्तक दी
(C) हेम नरेश का पुस्तक देगा
(D) हेम ने नरेश का पुस्तक दिया

25. मन्त्री ड्राइवर को कार चलवाता है।

(A) मन्त्री ड्राइवर से कार चलवाता है
(B) मन्त्री ड्राइवर की कार चलवाता है
(C) मन्त्री ड्राइवर के लिये कार चलवाता है
(D) मन्त्री ड्राइवर पर कार चलवाता है

निर्देश (प्रश्न संख्या 26 से 30 तक)

इन प्रश्नों में प्रत्येक में चार शब्द दिये गये हैं जिनमें से तीन अनेकार्थक शब्द की श्रेणी में आते हैं। जो शब्द इस श्रेणी में नहीं आता है, वही उत्तर है।

26. (A) अम्बर (B) वस्त्र
(C) आकाश (D) किरण

27. (A) मधु (B) दूध
(C) शहद (D) शराब

28. (A) इन्द्र (B) सिंह
(C) ब्राह्मण (D) सूर्य

29. (A) सजा (B) बल
(C) शक्ति (D) सेना

30. (A) तात (B) पूज्य
(C) पिता (D) मोती

निर्देश (प्रश्न संख्या 31 से 35 तक)

इन प्रश्नों में लोकोक्तियों का सही विकल्प चुनकर पूर्ण कीजिये।

31. घर आया .... भी नहीं निकला जाता है–

(A) मेहमना (B)कुत्ता
(C) रिश्तेदार (D) ब्राह्मण

32. धोये जो सौ बार तो .... होने ना सेत।

(A) कपड़ा (B) आदमी
(C) काजर (D) गन्दा

33. ज्यों ज्यों भीजे .... त्यों त्यों भारी होय।

(A) कामरी (B) कमली
(C) उधारी (D) कर्जा

34. .... के मुँह में हाथ डालना

(A) कुत्ते (B) बकरी
(C) शेर (D) गीदड़

35. दान की बछिया के .... नहीं देखे जाते

(A) कान (B) मुँह
(C) आँख (D) दाँत

36. किस रस का संचारी भाव उग्रता, गर्व, हर्ष आदि है?

(A) शृंगार (B) वीर
(C) वात्सल्य (D) रौद्र

37. "राग है कि, रूप है कि
रस है कि, जस है कि
तन है कि, मन है कि
प्राण है कि, प्यारी है"

उपर्युक्त पंक्तियों में रस है–

(A) शृंगार (B) वात्सल्य
(C) अद्‌भुत (D) शान्त

38. किस रस का संचारी उद्दीपन विभाव बादल की घटाएँ, कोयल का बोलना, बसन्त ऋतु आदि होते हैं?

(A) शृंगार (B) वात्सल्य
(C) अद्‌भुत (D) शान्त

39. "सोभित कर नवनीत लिये
घुटुरुनि चलत रेनु तन मंडित
मुख दधि लेप किये।"

उपर्युक्त पंक्तियों में रस है–

(A) शृंगार (B) रौद्र
(C) शान्त (D) वात्सल्य

40. "पराधीन जो जन, नहीं स्वर्ग नरक ता हेतु।"
पराधीन जो जन नहीं, स्वर्ग नरक ता हेतु।।"

उपर्युक्त पंक्तियों में अलंकार है–

(A) अनुप्रास (B) यमक
(C) श्लेष (D) उपमा

41. जहाँ शब्दों, शब्दांशों या वाक्यांशों की आवृत्ति हो, किन्तु उनके अर्थ भिन्न हों वहाँ निम्न अलंकार होता है।

(A) श्लेष (B) वक्रोक्ति
(C) यमक (D) रूपक

42. "मुख रूपी चाँद पर राहु भी धोखा खा गया" पंक्तियों में अलंकार है–

(A) श्लेष (B) वक्रोक्ति
(C) उपमा (D) रूपक

43. जहाँ किसी वस्तु का लोक-सीमा से इतना बढ़ कर वर्णन किया जाए कि वह असम्भव की सीमा तक पहुँच जाए, वहाँ अलंकार होता है–

(A) अतिशयोक्ति (B) विरोधाभास
(C) अत्युक्ति (D) उत्प्रेक्षा

44. मात्रिक अर्द्धसम जाति का छन्द है–

(A) रोला (B) दोहा
(C) चौपाई (D) कुण्डलिया

45. चौपाई के प्रत्येक चरण में मात्राएँ होती हैं

(A) 11 (B) 13
(C) 16 (D) 15

46. भगवद्‌गीता का सन्धि विच्छेद है–

(A) भगवद् + गीता (B) भग + वद् +गीता
(C) भगवत् + गीता (D) भग+ वद्‌गीता

47. मनोरम का सन्धि विच्छेद है–

(A) मन + ओरम (B) मन + रम
(C) मनो + रम (D) मनः + रम

48. "बड़े बड़ाई ना करें, बड़े न बौलें बोल।"
रहिमन हीरा कब कहै, लाख टके का मोल।।"

रहीम द्वारा लिखित इन पंक्तियों में 'बड़े' शब्द का प्रयोग जिस रूप में हुआ है, वह है–

(A) विशेषण (B) संज्ञा
(C) सर्वनाम (D) क्रिया विशेषण

49. "यह काम मैं आप कर लूँगा" पंक्तियों में 'आप' है–

(A) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
(B) निजवाचक सर्वनाम
(C) निश्चयवाचक सर्वनाम
(D) पुरुषवाचक सर्वनाम

50. निम्नलिखित में से कौन-सा स्त्रीलिंग में प्रयुक्त होता है–

(A) ऋतु (B) पण्डित
(C) हंस (D) आचार्य

51. बिहारी निम्न में से किस काल के कवि थे?

(A) वीर गाथा काल (B) भक्ति काल
(C) रीति काल (D) आधुनिक काल

52. भक्ति काल की रामाश्रयी शाखा के निम्न में से कौन-से कवि हैं?

(A) सूरदास (B) मीराबाई
(C) जायसी (D) तुलसीदास

53. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है।

(A) पूर्वी हिन्दी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पहाड़ी हिन्दी (D) राजस्थानी हिन्दी

54. "नमक का दरोगा" कहानी के लेखक हैं—
(A) जयशंकर प्रसाद (B) प्रेमचन्द
(C) गुलाब राय (D) रामचन्द्र शुक्ल

55. उपन्यास और कहानी का मूल अंतर है, उसका—
(A) आकार-प्रकार (B) विषय निरूपण
(C) घटना का चयन (D) पात्रों की विविधता

56. शृंगार रस का स्थायी भाव है—
(A) रति (B) हास
(C) शोक (D) निर्वेद

57. प्रेमचन्द्र का एक सशक्त उपन्यास 'गोदान' है—
(A) राजनैतिक (B) धार्मिक
(C) सामाजिक (D) ऐतिहासिक

58. सूरदास किस काल के कवि थे?
(A) रीति काल
(B) भक्ति काल
(C) आधुनिक काल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

59. वियोगी हरि जी का पूर्ण नाम था—
(A) श्री राम प्रसाद द्विवेदी
(B) श्री हरि प्रसाद द्विवेदी
(C) श्री हरि द्विवेदी
(D) श्री गिरधर द्विवेदी

60. अवधी भाषा के सर्वाधिक लोकप्रिय महाकाव्य का नाम है—
(A) पद्मावत (B) मधुमालती
(C) मृगावती (D) रामचरितमानस

61. प्रगति काव्य में प्रधानता होती है—
(A) भावना और गीतात्मकता की
(B) संगीतात्मकता की
(C) प्रकृति चित्रण की
(D) उपर्युक्त में से किसी की नहीं

62. जायसी के सर्वोत्कृष्ट ग्रन्थ का नाम है?
(A) आखिरी सलाम (B) अखरा वट
(C) मधुमालती (D) पद्मावत

63. 'स्मृति की रेखाएँ' रेखांकन के रचनाकार हैं—
(A) डॉ. श्याम सुन्दर दास
(B) महादेवी वर्मा
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(D) महावीर प्रसाद द्विवेदी

64. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी निम्नलिखित में से किस पत्रिका के सम्पादक थे?
(A) साहित्य संदेश (B) विशाल भारत
(C) सरस्वती (D) विनयपत्रिका

65. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध संग्रह का नाम है—
(A) चिंतामणि (B) झरना
(C) आँसू (D) कामायनी

निर्देश (प्रश्न संख्या 66 से 75 तक)

निम्न प्रश्नों में प्रत्येक में किसी सर्वाधिक उपयुक्त युग्म को चुनिये जो कि दिये गये शब्द का पर्यायवाची हो।

66. अंतरिक्ष
(A) पृथ्वी, आकाश (B) व्योम, आकाश
(C) सुरप, सिद्पथ (D) अनन्त, गगन

67. अम्बुज
(A) कमल, शंख (B) कमला, ब्रह्मा
(C) बज्र, बेंत (D) मीन, जलकुंभी

68. खल
(A) विश्वासघाती, निर्लज्ज
(B) नीच, दुर्जन
(C) दुष्ट, धोखेबाज
(D) खली, खरल

69. तृण
(A) तुच्छ, अलप (B) घास, पत्ता
(C) तिनका, घास (D) लता, द्रुम

70. क्षुद्र—
(A) कंजूस, कृपण (B) निर्धन दरिद्र
(C) अल्प, मामूली (D) नीच, अधम

71. उग्र
(A) तीव्र, रौद्र (B) प्रचंड, क्रोधी
(C) उत्कट, घोर (D) शिव, सूर्य

72. बटोही
(A) बटमार, एकाकी (B) असहाय, दुर्गम
(C) पथिक, राहगीर (D) पाथेय, मेघ

73. विरद
(A) यश, ख्याति (B) बीज, मूल
(C) वृक्ष, पौधा (D) विरही, वियोगी

74. यातु
(A) पथिक, कष्ट (B) काल, हवा
(C) यातना, हिंसा (D) राक्षस, निशाचर

75. विभु
(A) सर्वव्यापक, नित्य (B) ब्रह्म, आत्मा
(C) महान, ईश्वर (D) चिरस्थायी दृढ़

निर्देश (प्रश्न संख्या 76 से 80 तक)

दिये गए पद्यांश को पढ़कर इन प्रश्नों का उत्तर दीजिये।

पद्यांश

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार
देख मराठे पुलकित होते उसके तलवारों के वार
नकली युद्ध व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार
सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खेलवार
महाराष्ट्र कुल देवी उसकी भी आराध्या भवानी थी
बुन्देले हर बोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी
खूब लड़ी मरदानी वह तो झाँसी वाली रानी थी

76. उक्त पद्यांश का सही शीर्षक हो सकता—
(A) झाँसी की रानी
(B) 1857 का गदर
(C) अंग्रेजी पर आक्रमण
(D) महाराष्ट्÷ कुल देवी

77. इस कविता की कवयित्री का नाम है—
(A) महादेवी वर्मा
(B) सुभद्रा कुमारी चौहान
(C) तारा पाण्डेय
(D) मीराबाई

78. इस कविता में प्रयोग किया गया रस है—
(A) भक्ति (B) करुण
(C) शृंगार (D) वीर

79. कवयित्री की अधिकांश रचनाएँ—
(A) सामाजिक हैं (B) वात्सल्य पूर्ण हैं
(C) देशभक्ति पूर्ण हैं (D) धार्मिक हैं

80. 'खूब लड़ी मरदानी वह तो झाँसी वाली रानी थी' में 'मरदानी' शब्द का अर्थ है—
(A) वीरांगना (B) पुरुषों जैसी
(C) पुरुषत्व वान (D) लड़ाकू

निर्देश (प्रश्न संख्या 81 से 90 तक)

इन प्रश्नों में एक वाक्य दिया गया हे, जिसका एक भाग रेखांकित है। उस भाग का सही अर्थ नीचे दिये गये चार विकल्पों में से चुनिये।

81. दुर्घटना का दृश्य देखकर नीलिमा का कलेजा पसीज गया।
(A) दिल बैठ जाना (B) हालत खराब होना
(C) गर्मी लगना (D) दया उत्पन्न होना

82. मंत्री के आने पर जनता ने उन्हें आँख उठाकर भी नहीं देखा।
(A) चुप रहना (B) जी चुराना
(C) ध्यान तक न देना (D) अनसुनी करना

83. महाराज दशरथ यथा नाम तथा गुण थे।
(A) नाम मात्र की उपयोगिता
(B) जैसा नाम वैसे ही गुण
(C) उपयोगिता विहीन
(D) गुणवान

84. बार-बार नाक रगड़ने पर भी पुलिस ने अशोक को नहीं छोड़ा।

(A) विनती करना (B) खुशामद करना
(C) अधीन होना (D) बीमार पड़ना

85. कोई काम न करके श्रीमती सन्ध्या दिन भर मक्खी मारा करती हैं।
(A) जीव हत्या करना
(B) कीड़े-मकोड़े मारना
(C) घिनौने काम करना
(D) खाली बैठना

86. सब्ज बाग दिखा कर निशीथ ने कपिल से एक हजार रुपये ठग लिये।
(A) घुमाने ले जाना
(B) बाग की हरियाली दिखाना
(C) प्रकृति निरीक्षण करना
(D) झूठा आश्वासन देना

87. एकाएक प्रधानाचार्य को आया देखकर आपस में लड़ रहे विद्यार्थी हक्का-बक्का हो गये।
(A) अचरज में पड़ना (B) भयभीत होना
(C) भाग जाना (D) छुप जाना

88. मेरा इतना नुकसान हो गया और तुम्हें अठखेलियाँ सूझ रही हैं।
(A) दिल्लगी करना (B) मजे में रहना
(C) खेल खेलना (D) हँसना

89. किसी अजनवी को देखकर कुत्ते आपे में नहीं रहते भों-भों करने लग जाते हैं।
(A) होश में न रहना
(B) मिथ्या बकवास करना
(C) क्रोध में भड़क उठना
(D) अपनी सुध खो देना

90. वि"न को समझाना बेकार है, वह तो औंधी खोपड़ी है।
(A) बेवकूफ
(B) निपट मूर्ख
(C) खोपड़ी उल्टी होना
(D) सोते रहना

निर्देश (प्रश्न संख्या 91 से 95 तक)

नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर इन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

गद्यांश

सामान्यत: दुष्टों की वन्दना में या तो भय रहता है या व्यंग्य। परन्तु जहाँ हम हानि होने के पहले ही हानि के कारण की वन्दना करने लगते हैं वहाँ हमारी वन्दना के मूल में भय नहीं बल्कि उसकी स्थायी दशा की आशंका है। इस वन्दना में दुष्टों की थपकी देकर सुलाने की चाल है। जिसमें विघ्न बाधाओं में जान बच सके। आशंका से उत्पन्न यह नम्रता गोस्वामी जी को आश्रय से आलंबन बना देती है। जब स्फुट अंशों के संचारीभावों तथा अनुभवों को छोड़कर वन्दना के पीछे निहित भावना की दृष्टि से देखते हैं तो यह आश्रय से संक्रमित आलंबन का उदाहरण बन जाता है। संतों, देवताओं तथा राम की वन्दना पर्याप्त नहीं इसलिये दुष्टों की भी वन्दना की जाती है। इससे दुष्टों के महत्त्व की भायिक सृष्टि होती है और वह उन्हें और भी उपहास्य बना देती है।

91. दुष्ट वन्दना के पीछे लेखक का उद्देश्य है—
(A) दुष्टों को लज्जित करना
(B) दुष्टों को थपकी देकर सुलाना
(C) दुष्टों से अपना बचाव करना
(D) दुष्टों का सहयोग प्राप्त करना

92. रामचरित मानस एक भक्ति काव्य है। इसमें दुष्ट वन्दना का रहस्य है—
(A) तुलसी की व्यापक दृष्टि
(B) तुलसी का सभी को राममय देखना
(C) तुलसी की उदारता
(D) तुलसी का शील-सौजन्य

93. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है—
(A) तुलसी की दुष्ट वन्दना
(B) तुलसी की उदारता
(C) तुलसी का मानवीय दृष्टिकोण
(D) उपर्युक्त तीनों

94. देवताओं, महापुरुषों, सज्जनों के साथ दुष्टों की वन्दना इसलिये सार्थक कही जायेगी कि महाकवि तुलसी दास—
(A) संतकवि थे
(B) उदारचेता थे
(C) हित-अनहित और अपने-पराये की भावना से ऊपर उठ चुके थे
(D) निर्वरता चाहते थे

95. जीवन में हास्य का महत्व इसलिये है कि वह जीवन को—
(A) प्रेरणा देता है (B) आनन्दित करता है
(C) आगे बढ़ाता है (D) सरस बनाता है

निर्देश (प्रश्न संख्या 96 से 100 तक)

नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गद्यांश

भूषण महाराज ने विषय और विशेषतया नायक चुनने में बड़ी बुद्धिमत्ता से काम लिया है। शिवाजी और छत्रसाल से महानुभावों के पवित्र चरित्रों का वर्णन करने वाले की जितनी प्रशंसा की जाए थोड़ी है। शिवाजी ने एक जमींदार और वीजापुरधीश के नौकर के पुत्र होकर चक्रवर्ती राज्य स्थापित करने की इच्छा को पूर्ण-सा कर दिखाया और छत्रसाल बुन्देला ने जिस समय मुगलों का सामना करने का साहस किया, उस समय उसके पास केवल पाँच सवार और पच्चीस पैदल थे। इसी सेना से इस महानुभाव ने दिल्ली का सामना करने की हिम्मत की और मरते समय अपने उत्तराधिकारियों के लिए दो करोड़ वार्षिक मुनाफे का स्वतन्त्र राज्य छोड़ा।

96. महाकवि भूषण दरबारी कवि थे। उनके आश्रयदाता राजा का नाम था—
(A) शिवाजी (B) छत्रसाल
(C) औरंगजेब (D) वी सिंह जूदेव

97. छत्रपति शिवाजी की प्रशस्ति में लिखे गये दो काव्य ग्रन्थों के नाम हैं—
(A) शिवा बावनी, शिवराज भूषण
(B) शिवा चरित, शिवा विलास
(C) शिवा वैभव, शिवा चिन्तन
(D) शिवा कथा, शिवा विक्रम

98. इस गद्यांश का सार्थक शीर्षक हो सकता है—
(A) भूषण विवेक
(B) भूषण की बुद्धिमत्ता
(C) भूषण की कला
(D) भूषण का काव्यनायक चयन

99. छत्रसाल बुन्देला ने जिस समय मुगलों का सामना किया, उस समय उनके पास थे—
(A) दो सवार और पाँच पैदल
(B) पाँच सवार और पच्चीस पैदल
(C) पच्चीस सवार और दो पैदल
(D) पच्चीस सवार और पाँच पैदल

100. भूषण का प्रिय काव्य रस था—
(A) करुण (B) शान्त
(C) वीर (D) शृंगार

निर्देश (प्रश्न संख्या 101 से 105 तक)

इन प्रश्नों में प्रत्येक में एक शब्द दिया गया है जिसके नीचे चार शब्द अंकित हैं। इनमें से एक शब्द दिये हुये शब्द का समानार्थी है। सही समानार्थी शब्द चुनिए।

101. कमल—
(A) पारिजात (B) रजनी
(C) विभावरी (D) भामिनी

102. कलानिधि—
(A) नीर (B) हिमांशु
(C) अम्बु (D) आगार

103. तुंग—
(A) उन्नत (B) प्रचण्ड

(C) नारियल (D) पुन्नाग

104. शिखी—
(A) शिखायुक्त (B) मयूर
(C) बुलबुल (D) बैल

105. मिलिन्द—
(A) भुजंग (B) सरिता
(C) कगार (D) भ्रमर

निर्देश (प्रश्न संख्या 106 से 110 तक)

इन प्रश्नों में प्रत्येक में एक शब्द समूह दिया गया है। प्रत्येक शब्द समूह के नीचे चार विकल्प दिये हुये हैं जिनमें से एक दिये हुए शब्द समूह के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है। सही विकल्प चुनें।

106. जिसे किसी से लगाव न हो—
(A) नश्वर (B) लिप्सु
(C) निर्लिप्त (D) अलगावादी

107. जो कुछ जानने की इच्छा रखता हो—
(A) जिज्ञासु (B) जननी
(C) जानकी (D) नीतिज्ञ

108. जो बात लोगों से सुनी गई हो—
(A) अश्रुति (B) सर्वप्रिय
(C) लोकोक्ति (D) किंवदन्ती

109. सबके समानाधिकार पर विश्वास—
(A) अधिकारी (B) समाजवाद
(C) प्रगतिवाद (D) अधिकारवाद

110. रजोगुण वाला—
(A) तामसिक (B) राजसिक
(C) वाचिक (D) सात्विक

निर्देश (प्रश्न संख्या 111 से 115 तक)

नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

पद्यांश

अस्ताचल रवि, जल छल-छल छवि
स्तब्ध विश्वकवि, जीवन उन्मन
मन्द पवन बहती सुधि रह रह
परिमल की कह कथा पुरातन
 दूर नदी पर नौका सुन्दर
 दीखी मृदु तर बहती ज्यों स्वर
 वहाँ स्नेह की प्रतनु देह की
 बिना गेह की बैठी नूतन
ऊपर शोभित मेघ सत्र सित
नीचे अमित नील जल दोलित
ध्यान-नयन मन चिन्त्य-प्राण-धन
किया शेष रवि ने कर अर्पण

111. इस कविता का सार्थक शीर्षक हो सकता है—
(A) दिवस का अवसान
(B) दिवा-गमन
(C) अस्ताचल रवि
(D) रवि कर अर्पण

112. इस कविता में छायावादी कवि निराला ने—
(A) प्रकृति का मनोरम चित्रण किया है
(B) अस्तगत सूर्य और उसकी प्रतीक्षा में रत संध्या का वर्णन किया है
(C) मादक भावनाओं की अभिव्यक्ति की है
(D) सूर्यास्त का चित्रण किया है

113. इस पद्यांश में प्रयोग किया गया शब्द 'प्रतनु' अर्थ रखता है—
(A) प्रमुदित (B) क्षीण
(C) मृत (D) प्रेत

114. पण्डित निराला हिन्दी के—
(A) श्रेष्ठ साहित्यकार थे
(B) लेखक तथा कवि दोनों थे
(C) समाजवादी कवि थे
(D) प्रख्यात तथा सर्वोत्कृष्ट छायावादी कवि थे

115. उपर्युक्त पद्य में प्रयुक्त 'गेह' शब्द का प्रयोग अर्थ रखता है—
(A) गेहूँ (B) एक जीव
(C) घर (D) द्वार

निर्देश (प्रश्न संख्या 116 से 120 तक)

निम्न पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

पद्यांश

आज क्यों तेरी वीणा मौन
शिथिल शिथिल तन थकित हुये कर
स्पन्दन भी भुला जाता डर
मधुर कसक सा आज हृदय में
आन समाया कौन?
 झुकती आती पलकें निश्चल
 चित्रित निद्रित से तारक चल
 सोता पारावार दृगों में
 भर भर लाया कौन?
 आज क्यों तेरी वीणा मौन?

116. इस कविता के रचयिता हैं—
(A) सुमित्रानन्दन पन्त
(B) सुभद्रा कुमारी चौहान
(C) महादेवी वर्मा
(D) मीरा बाई

117. नीरजा से उद्धृत इस कविता का आशय है—
(A) न जाने आज क्यों उकनी हृदतंत्री बज नहीं रही
(B) दुखों से आपूरित हृदय तथा नेत्रों के अश्रुमय होने के बावजूद वीणा मौन क्यों है?
(C) विरह व्यथा की कसक तन मन को व्याकुल बना रही है, फिर भी आहें, नहीं भरी जातीं। रहस्य प्रकट करने में न जाने मैं क्यों असमर्थ हूँ
(D) विरह व्यथा की कथा अकथनीय है

118. इस कविता का उपयुक्त शीर्षक होगा—
(A) सुधि बन छाया कौन
(B) आज क्यों तेरी वीणा मौन
(C) हृदय में आन समाया कौन
(D) मौन वीणा का रहस्य

119. कवयित्री के बारे में यह निर्विवाद सत्य है कि वह—
(A) सर्वोत्कृष्ट कवयित्री थी
(B) साधना में दूसरी मीरा थी
(C) छायावादी होकर भी वह अपनी विशिष्ट पहचान रखती थी
(D) सुप्रसिद्ध छायावादी कवयित्री थी

120. भाव व्यंजना की दृष्टि से यह कविता—
(A) दुर्बोध रचना है
(B) श्रेष्ठ रचनाओं में एक है
(C) आरम्भिक रचना है
(D) प्रकृति चित्रण की दृष्टि से बेजोड़ है

121. निम्नलिखित में से कौन-सी द्रविड़ परिवार की भाषा है ?
(A) उड़िया (B) बांग्ला
(C) असमिया (D) कन्नड़

122. ब्रजभाषा किस अपभ्रंश से विकसित है ?
(A) शौरसेनी (B) मागधी
(C) अर्द्धमागधी (D) पैशाची

123. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है—
(A) पूर्वी हिन्दी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) पहाड़ी हिन्दी (D) राजस्थानी हिन्दी

124. तुलसी कृत 'विनयपत्रिका' की भाषा है—
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) कन्नौजी (D) कौरवी

125. निम्नलिखित बोलियों में से कौन-सी बोली उत्तर प्रदेश में नहीं बोली जाती है ?
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) खड़ी बोली (D) मैथिली

व्याख्यात्मक हल

1. (B) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'सच्ची वीरता' होगा।

2. (C) दिए गए गद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों से स्पष्ट है कि 'उद्देश्य की पूर्ति के लिए सच्चाई के रास्ते पर चट्टान की तरह दृढ़ रहना'

वीरता का संदेश है।

3. (D) दिए गए गद्यांश में वीरों की तुलना देवदार के वृक्ष से की गई है, क्योंकि दोनों स्वयं पैदा होते हैं और बिना किसी के दूध "लाये बढ़ते है।

4. (A) 'क्रोध' को वीरता का अंग नहीं माना गया है, जबकि युद्ध त्याग तथा दान वीरता का रूप हैं।

5. (A) प्रस्तुत गद्यांश से स्पष्ट है कि वीरता निराली होती है तथा इसकी अभिव्यक्ति कई प्रकार से होती है।

6. (C) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'निर्लिप्त' है। 'निर्लिप्त' का अर्थ होगा—सांसारिक माया मोह से दूर रहने वाला। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

7. (C) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'इच्छाद्रम' है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

8. (A) दिए गए विकल्पों में शुद्ध शब्द 'दुरुक्ति' है। 'दुरुक्ति' का अर्थ होगा—किसी शब्द या वाक्य को दुहराया जाना। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

9. (D) वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'विस्मृति' है। 'विस्मृति' का अर्थ होगा 'भूल जाना'। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

10. (C) दिए गए विकल्पों में शुद्ध शब्द जगत्प्राण है। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

11. (A) दिए गए शब्दों में 'दिवस' का विलोम शब्द 'विभावरी' होगा।

12. (C) 'निर्मल' का विलोम 'मलिन' होगा। अन्य तीनों विकल्पों के विलोम शब्द हैं—'पवित्र'—'अपवित्र', 'शुद्ध'—'अशुद्ध', 'मृदु'—'कठोर'।

13. (B) 'उद्यम' का विलोम 'आलस्य' होगा। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

14. (C) 'महान' का विलोम 'क्षुद्र' होगा। अन्य विकल्पों के विलोम शब्द हैं— 'मरण'-'जीवन', 'चेतन'—'जड़', 'मूढ़'-'चतुर'।

15. (D) दिए गए शब्दों में 'द्युति' का विलोम 'अन्धकार' होगा।

16. (A) 'आँख के अंधे, गाँठ के पूरे' मुहावरे का अर्थ है—'धनी परन्तु मूर्ख'। अन्य तीनों विकल्प अशुद्ध हैं।

17. (C) 'गागर में सागर भरना' मुहावरे का अर्थ है—विस्तृत बात को संक्षेप में कहना।

18. (B) 'चोर के पैर नहीं होते' मुहावरे का अर्थ है—पापी का मन अस्थिर होता है।

19. (D) 'पेट भरे मन—मोदक से कब' मुहावरे का अर्थ है—केवल सोचते रहने से किसी काम में सफलता न मिलना।

20. (C) 'अरहर की टट्टी गुजराती ताला' मुहावरे का अर्थ है—छोटी वस्तु के लिए अधिक व्यय करना।

21. (D) विकल्प (D) में दिया गया वाक्य 'जो मिठाइयाँ पसंद हों उन्हें आप खाइये' शुद्ध है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

22. (C) विकल्प (C) में दिया गया वाक्य 'मैं बचपन में वहाँ जाता रहा' शुद्ध है। अन्य विकल्पों में 'काल' सम्बन्धी अशुद्धि है।

23. (C) विकल्प (C) में दिया गया वाक्य 'प्रत्येक व्यक्ति कविता नहीं कर सकता' शुद्ध है। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

24. (B) विकल्प (B) में प्रस्तुत वाक्य 'हेम ने नरेश को पुस्तक दी' शुद्ध है। विकल्प (A) में कारक सम्बन्धी, (C तथा D) में कारक तथा क्रिया सम्बन्धी, अशुद्धि है।

25. (A) विकल्प (A) में दिया गया वाक्य 'मंत्री ड्राइवर से चार चलवाता है' शुद्ध है। अन्य विकल्पों में 'कारक' सम्बन्धी अशुद्धि है।

26. (D) 'अम्बर', 'वस्त्र' तथा 'आकाश' अनेकार्थी शब्द हैं। 'किरन' अन्य विकल्पों से भिन्न है।

27. (B) 'मधु', 'शहद' और 'शराब', 'पराग' के अनेकार्थी हैं। 'दूध' अन्य विकल्पों से भिन्न है।

28. (C) 'इन्द्र', '"ह' तथा 'सूर्य' अनेकार्थी शब्द हैं। 'ब्राह्मण' अन्य विकल्पों से भिन्न है। ब्राह्मण के अनेकार्थी हैं—द्विज, चन्द्रमा तथा पक्षी।

29. (A) 'बल', 'सेना' तथा 'शक्ति', 'ताकत' के अनेकार्थी हैं। सजा अन्य विकल्पों से भिन्न है। 'सजा' के अनेकार्थी हैं—'दंड', 'डंडा', 'जहाज का मस्तूल'।

30. (D) 'तात', 'पूज्य', 'पिता', अनेकार्थक शब्द की श्रेणी में आते हैं। 'मोती' के अनेकार्थी हैं—कमल, मोती, शंख।

31. (B) उपर्युक्त लोकोक्ति के रिक्त स्थान में 'कुत्ता' शब्द प्रयुक्त होगा।

32. (C) प्रस्तुत लोकोक्ति के रिक्त स्थान में 'काजर' शब्द प्रयुक्त होगा।

33. (A) 'ज्यों-ज्यों भीजे' 'कामरी' 'त्यों-त्यों भारी होय'। यह एक लोकोक्ति है। 'कामरी' का अर्थ होगा—'छोटा कंबल'।

34. (C) उपर्युक्त मुहावरे में 'शेर' शब्द प्रयुक्त होगा। 'शेर के मुँह में हाथ डालना' मुहावरे का अर्थ होगा—'वीरता का कार्य करना'।

35. (D) 'दान की बछिया' के 'दाँत' नहीं देखे जाते। अत: रिक्त स्थान में दाँत शब्द प्रयोग होगा।

36. (B) वीर रस का संचारी भाव उग्रता, गर्व, हर्ष आदि हैं। जब उत्साह स्थायी भाव विभवादि के संयोग से परिपक्व होकर रस रूप में परिणत है, तब वीर रस कहलाता है।

37. (C) आश्चर्यजनक वर्णन तथा विस्मय भाव की अवस्था को अद्‌भुत रस कहते हैं।

38. (A) शृंगार रस का उद्दीपन विभाव 'बादल की घटाएँ', कोयल का बोलना, बसन्त ऋतु, भ्रमर-गुंजन तथा नायक-नायिका की प्रेम चेष्टाएँ आदि हैं। उन्माद, हर्ष, आवेग तथा चपलता आदि संचारी भाव हैं।

39. (D) छोटे बालक के बाल-सुलभ मानसिक क्रियाकलापों से उत्पन्न वात्सल्य प्रेम की परिपक्वावस्था को 'वात्सल्य रस' कहते हैं।

40. (A) जब एक शब्द या वाक्य खण्ड की आवृत्ति उसी अर्थ में हो, किन्तु अन्वय में भेद हो वहाँ लाटानुप्रास अलंकार होता है। उपर्युक्त पंक्तियों में पहली पंक्ति का अर्थ है, कि पराधीन व्यक्ति का स्वर्ग भी नरक के समान होता है, जबकि दूसरी पंक्ति का अर्थ है, जो व्यक्ति पराधीन नहीं है उसके लिए नर्क भी स्वर्ग के समान है। 'लाटानुप्रास' अनुप्रास अलंकार का ही एक भेद है।

41. (C) जहाँ शब्दों, शब्दांशों या वाक्यांशों की आवृत्ति हो, किन्तु उनके अर्थ भिन्न हों वहाँ यमक अलंकार होता है।

42. (D) प्रस्तुत पंक्तियों में रूपक अलंकार है। जहाँ उपमेय को उपमान का रूप मान लिया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार होता है।

43. (A) अतिशयोक्ति अलंकार में किसी बात का बहुत बढ़ा, चढ़ाकर वर्णन किया जाता है। जहाँ वास्तविक विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो वहाँ विरोधाभास तथा उपमेय में उपमान की सम्भावना होने पर उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।

44. (B) 'दोहा' मात्रिक अर्द्धसम छंद है। 'रोला' तथा 'चौपाई' सम मात्रिक छंद तथा 'कुण्डलिया' विषम मात्रिक छन्द है।

45. (C) चौपाई सम मात्रिक छंद है। इसके प्रत्येक चरण में '16' मात्राएँ होती हैं।

46. (C) व्यंजन के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मेल से जो विकार या रूपान्तरण होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं। भगवद्‌गीता में व्यंजन संधि है। भगवत् + गीता।

47. (D) विसर्ग (:) के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है। उसे विसर्ग संधि कहते हैं। मनोरम में विसर्ग संधि है। 'मन: + रम'।

48. (B) उपर्युक्त पंक्तियों में 'बड़े' शब्द का प्रयोग संज्ञा की तरह हुआ है।

49. (B) उपर्युक्त पंक्तियों में 'आप' निजवाचक सर्वनाम है। जिस सर्वनाम से स्वयं का बोध हो, उसे निज वाचक सर्वनाम कहते हैं।

50. (A) 'ऋतु' शब्द स्त्रीलिंग है। अन्य तीनों विकल्प पुल्लिंग हैं।

51. (C) बिहारी 'रीतिकाल' के कवि हैं। रीतिकाल को तीन भागों में विभाजित किया गया है। (1) रीतिबद्ध, (2) रीतिमुक्त, (3) रीतिसिद्ध। बिहारी रीतिसिद्ध के अन्तर्गत आते हैं। इनकी प्रसिद्ध रचना 'बिहारी सतसई' है।

52. (D) 'तुलसीदास' भक्ति काल की 'रामभक्ति शाखा' के कवि हैं। सूरदास 'कृष्ण भक्ति शाखा', मीरा 'कृष्ण भक्ति धारा' तथा जायसी सूफी मत के हैं।

53. (A) छत्तीसगढ़ी बोली पूर्वी हिन्दी के अन्तर्गत आती है। 'पश्चिमी हिन्दी' की बोलियाँ—ब्रज भाषा, खड़ी बोली, कन्नौजी, 'पहाड़ी हिन्दी'—गढ़वाली, नेपाली, 'राजस्थानी' हिन्दी मारवाड़ी, जयपुरी, मेवाती प्रमुख बोलियाँ हैं।

54. (B) 'नमक का दरोगा' कहानी के लेखक मुंशी प्रेमचन्द हैं।

55. (B) उपन्यास व कहानी में मूल अन्तर विषय निरूपण का होता है।

56. (A) 'श्रृंगार' रस का स्थायी भाव 'रति' है। 'हास्य रस' का स्थायी भाव 'हास', 'करुण' का 'शोक' तथा 'शांत' का 'निर्वेद' है।

57. (C) 'गोदान' प्रेमचन्द का एक सामाजिक उपन्यास है। यह उपन्यास जगत के श्रेष्ठतम उपन्यासों में से एक है।

58. (B) 'सूरदास', 'भक्ति काल' के 'कृष्ण भक्ति शाखा' के प्रमुख कवि हैं। इनकी प्रमुख रचना 'सूरसागर', 'सूरसारावली' तथा 'साहित्य लहरी' हैं।

59. (B) वियोगी हरि का पूर्ण नाम श्री हरि प्रसाद द्विवेदी था। इनकी प्रमुख रचनाएँ—साहित्य विहार, वीर सतसई, छत्रसाल दशक, ग्रंथावली, अनुराग वाटिका, छद्मयोगिनी हैं।

60. (D) 'रामचरित मानस' 'तुलसीदास' द्वारा 'अवधी' भाषा में रचा गया सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य है। यह सात काण्डों में विभक्त है। इसे 'तुलसी रामायण' या 'तुलसीकृत रामायण' भी कहा जाता है।

61. (A) प्रगति काव्य में भावना और गीतात्मकता की प्रधानता होती है। गेय रचनाओं को प्रगति मुक्तक तथा पाठ्य रचनाओं को पाठ्य मुक्तक कहते हैं। 'निराला' के गीत प्रगति मुक्तक तथा 'बिहारी' के दोहे पाठ्य मुक्तक के अन्तर्गत आते हैं।

62. (D) 'जायसी' के सर्वोत्कृष्ट ग्रन्थ का नाम 'पद्मावत' है यह फारसी भाषा की मसनबी शैली में लिखा गया है। पद्मावत दोहा और चौपाई छन्द में लिखा गया 'अवधी' भाषा का प्रसिद्ध ग्रन्थ है। इसकी अन्य रचनाएँ—अखरावट, कहरनामा, मसलनामा।

63. (B) स्मृति की रेखाएँ महादेवी वर्मा द्वारा लिखित एक संस्मरणात्मक रेखाचित्र है। इनकी अन्य रचनाएँ हैं—अतीत के चलचित्र, बिट्टो, धीसा, मेरा परिवार।

64. (C) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सन् 1903 से सन् 1920 तक 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक रहे। इनकी कुछ मौलिक तथा काव्य रचनाएँ हैं—मंजूषा, गंगा लहरी, कान्यकुब्ज, सुमन कुमार सम्भवसार।

65. (A) रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध संग्रह का नाम 'चिन्तामणि' है। चिंतामणि से पहले सन् 1930 में 'विचार वीथी' नाम से इनके निबन्धों का संकलन प्रकाशित हुआ था।

66. (B) 'अन्तरिक्ष' के पर्यायवाची व्योम, आकाश, आसमान, नभ, शून्य, गगन इत्यादि हैं।

67. (A) 'अम्बुज' के पर्यायवाची कमल, शंख, पद्म, पायोज पुण्डरीक, पंकज, शंख, पद्म, अरविन्द इत्यादित हैं।

68. (B) 'खल' के पर्यायवाची नीच, दुर्जन, कुटिल, धूर्त, दुष्ट, अधम, आदि हैं।

69. (B) 'तृण' के पर्यायवाची तिनका, घास, कुश, लेश, पयाल आदि हैं।

70. (D) 'क्षुद्र' के पर्यायवाची नीच, अधम, शूद्र, घटिया आदि हैं।

71. (B) 'उग्र' के पर्यायवाची प्रचंड, क्रोधी, तेज, क्रूर आदि हैं।

72. (C) 'बटोही' के पर्यायवाची शब्द हैं—पथिक, राहगीर, मुसाफिर, यात्री।

73. (A) 'विरद' के पर्यायवाची शब्द हैं—यश, ख्याति, प्रसिद्धि, शौहरत, प्रतिष्ठा।

74. (D) 'यातु' के पर्यायवाची शब्द राक्षस, निशाचर, दानव, रजनीचर, दनुज आदि हैं।

75. (A) 'विभु' के पर्यायवाची शब्द सर्वव्यापक, नित्य, अनन्त आदि हैं।

76. (A) प्रस्तुत पद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक 'झाँसी की रानी' होगा।

77. (B) प्रस्तुत कविता 'सुभद्रा कुमारी चौहान' द्वारा रचित है।

78. (D) 'झाँसी की रानी' कविता में वीर रस का प्रयोग किया गया है। सुभद्रा कुमारी चौहान की 'वीरों का कैसा हो बसंत' व 'झाँसी की रानी' रचनाएँ ओज एवं शौर्य से ओत-प्रोत हैं।

79. (C) सुभद्रा कुमारी चौहान की अधिकांश रचनाएँ देशभक्ति पूर्ण हैं। 'वीरों का कैसा हो बसंत' उनकी प्रसिद्ध देशभक्ति पूर्ण रचना है।

80. (A) प्रस्तुत कविता में 'मरदानी' का अर्थ 'वीरांगना' होगा।

81. (D) 'कलेजा पसीज गया' मुहावरे का अर्थ होगा—'दया उत्पन्न होना'।

82. (C) रेखांकित मुहावरा 'आँख उठाकर भी नहीं देखा' मुहावरे का अर्थ 'ध्यान तक न देना' होगा।

83. (B) रेखांकित लोकोक्ति का अर्थ 'जैसा नाम वैसे ही गुण' है।

84. (A) रेखांकित मुहावरा 'नाक रगड़ने' का अर्थ 'विनती करना' होगा।

85. (D) रेखांकित मुहावरा 'मक्खी मारना' का अर्थ 'खाली बैठना' होगा।

86. (D) रेखांकित मुहावरे का अर्थ 'झूठा आश्वासन' देना होगा।

87. (A) रेखांकित मुहावरा 'हक्का-बक्का' का अर्थ 'अचरज में पड़ना' होगा।

88. (A) रेखांकित मुहावरे का अर्थ 'दिल्लगी करना' होगा।

89. (C) रेखांकित मुहावरा 'आपे में नहीं रहते' का अर्थ 'क्रोध में भड़क उठना' है।

90. (B) रेखांकित मुहावरे का अर्थ 'निपट मूर्ख' होगा।

91. (B) दुष्ट वन्दना के पीछे लेखक का उद्देश्य 'दुष्टों को थपकी देकर सुलाना' है।

92. (B) 'रामचरितमानस' एक भक्ति काव्य है। इसमें दुष्ट वन्दना का रहस्य तुलसीदास का सभी को राममय देखना है।

93. (C) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक तुलसीदास का मानवीय दृष्टिकोण है।

94. (D) देवताओं, महापुरुषों, सज्जनों के साथ दुष्टों की वन्दना इसलिए सार्थक कही जायेगी क्योंकि महाकवि तुलसीदास निर्वरता चाहते थे।

95. (D) जीवन में हास्य का महत्व इसलिए है कि वह जीवन को 'सरस बनाता' है।

96. (A) भूषण के आश्रयदाता शिवाजी तथा छत्रसाल बुंदेला थे। इनके प्रमुख ग्रन्थ 'शिवराज भूषण', 'छत्रसाल दशक' व 'शिवा बावनी' हैं। 'छत्रसाल दशक' में इन्होंने छत्रसाल बुंदेला के पराक्रम दानशीलता तथा 'शिवा बावनी' में शिवाजी के गुणों का वर्णन किया है।

97. (A) छत्रपति शवाजी की प्रशस्ति में इन्होंने 'शिवा बावनी' तथा 'शिवराज' भूषण दो काव्य ग्रन्थ लिखे। शिवा बावनी में '52' छन्दों में शिवाजी के गुणों व कीर्ति का वर्णन किया है। 'शिवराज भूषण' में '384' छंदों में शिवाजी के कार्यों का वर्णन किया है।

98. (B) प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक 'भूषण की बुद्धिमत्ता' होगा।

99. (B) छत्रसाल बुंदेला में जिस समय मुगलों का सामना किया, उस समय उनके पास पाँच सवार और पच्चीस पैदल थे।

100. (C) भूषण को वीर रस का कवि कहा जाता है। कवि भूषण को 'भूषण' की उपाधि चित्रकूट के राजा रुद्रशाह के पुत्र 'हृदयराम' ने प्रदान की थी।

101. (A) 'कमल' के अन्य पर्यायवाची या समानार्थी शब्द हैं—पंकज, सरोज, राजीव, पुण्डरीक, अम्बुज। विभावरी, रजनी भामिनी, रात्रि के पर्यायवाची हैं।

102. (B) 'कलानिधि' के अन्य समानार्थी—शशांक, शशि, हिमकर, विधु सुधाकर, मयंक हैं। नीर तथा अम्बु जल के समानार्थी हैं। 'आगार' के समानार्थी हैं—गृह, घर, धाम, निवास।

103. (A) 'तुंग' के पर्यायवाची उन्नत, ऊँचा, उच्च, बुलंद, तथा गनन स्पर्शी, आदि हैं।

104. (B) 'शिरवी' के समानार्थी शब्द हैं—मयूर, कलादी, मेहप्रिय, नर्तकप्रिय, सारंग तथा केकी आदि हैं।

105. (D) मिलिंद के अन्य समानार्थी हैं—षटपद, मधुकर, अलि, मधुप, भौंरा, द्विरेक आदि हैं।

106. (C) 'जिसे किसी से लगाव न हो' उसके लिए एक शब्द 'निर्लिप्त' आयेगा।

107. (A) 'जो कुछ जानने की इच्छा रखता हो' उसे 'जिज्ञासु' कहते हैं।

108. (D) 'जो बात लोगों से सुनी गई हो' उसे 'किंवदन्ती' कहते हैं।

109. (B) 'सबके समानाधिकार पर विश्वास' के लिए एक शब्द 'समाजवाद' आयेगा।

110. (B) 'रजोगुण वाला' के लिए एक शब्द 'राजसिक' आयेगा।

111. (C) प्रस्तुत कविता का शीर्षक 'अस्ताचल रवि' है।

112. (B) इस कविता में निराला जी ने 'अस्तगत सूर्य और उसकी प्रतीक्षा में रत संध्या का वर्णन किया है'।

113. (B) इस पद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'प्रतनु' का अर्थ 'क्षीण' होगा।

114. (D) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' हिन्दी के प्रख्यात तथा सर्वोत्कृष्ट छायावादी कवि थे।

115. (C) उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त 'गेह' शब्द का अर्थ 'घर' है।

116. (C) यह कविता 'महादेवी वर्मा' द्वारा रचित है।

117. (B) 'नीरजा' से उद्धत इस कविता का आशय है—दुखों से आपूरित हृदय तथा नेत्रों के अश्रुमय होने के बावजूद वीणा मौन क्यों है?

118. (B) इस कविता का उपयुक्त शीर्षक 'आज क्यों तेरी वीणा मौन' है।

119. (B) कवयित्री के बारे में यह निर्विवाद सत्य है कि वह साधना में दूसरी मीरा थीं। उनके काव्य में विरह की प्रधानता है, जो लौकिक न होकर अलौकिक है। इसलिए महादेवी को आधुनिक मीरा कहा जाता है।

120. (B) भाव व्यंजना की दृष्टि से यह कविता श्रेष्ठ रचनाओं में एक है। 'नीहार' महादेवी वर्मा का पहला कविता संग्रह है।

121. (D) कन्नड़ भारत के कर्नाटक राज्य में बोली जाने वाली भाषा तथा कर्नाटक की राजभाषा है। यह भारत की उन 22 भाषाओं में से एक है। जो भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित है। कन्नड़ भारत की सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली भाषाओं में से एक है। 4.50 करोड़ लोग कन्नड़ भाषा प्रयोग करते हैं।

122. (A) शौरसेनी नामक प्राकृत मध्यकाल में उत्तरी भारत की एक प्रमुख भाषा थी यह नाटकों में प्रयुक्त होती थी। बाद में इससे हिन्दी भाषा समूह व पंजाबी विकसित हुए। दिगम्बर जैन परम्परा के सभी जैनाचार्यों ने अपने महाकाव्य शौरसेनी में ही लिखे जो उनके आहत महाकाव्य है।

123. (A) पूर्वी हिन्दी की तीन शृंखाएँ मानी गई हैं- बघेली, छत्तीसगढ़ और अवधी। अवधी बोली अर्द्धमागधी प्राकृत की परम्परा में आती है। यह बोली मुख्यत: अवध में बोली जाती है। अवध में बोली जाने वाली बोलियों के दो भेद हैं— 1. पूर्वी हिन्दी 2. पश्चिमी हिन्दी

124. (B) ब्रजभाषा मूलत: ब्रजक्षेत्र की बोली है। विक्रम की तेरहवीं ज्ञाताब्दी से लेकर 20 वीं ज्ञाताब्दी तक भारत में साहित्यिक भाषा रहने के कारण ब्रज की इस जनपदीय बोली ने अपने विकास के साथ भाषा नाम प्राप्त किया और ब्रजभाषा नाम से जानी जाने लगी। ब्रज भाषा, मथुरा, आगरा, धौलपुर और अलीगढ़ जिलों में बोली जाती है।

125. (D) मागधी अपभ्रंश के मध्यवर्ती रूप से विकसित यह बोली हिन्दी और बांग्ला क्षेत्र की संधि मिथिला में बोली जाती है। दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया तथा मुंगेर आदि में इसका क्षेत्र है। लोक साहित्य की दृष्टि से मैथिली बहुत सम्पन्न है। साथ ही इसमें साहित्य रचना अत्यंत प्राचीन काल से होती चली आई है। हिन्दी साहित्य को विद्यापति जैसे रससिद्ध कवि देने का श्रेय मैथिली को ही है।